राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 109
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 02 नवंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 एंटी डस्ट अभियान के तहत मंत्री गोपाल राय ने किया औचक निरीक्षण, एलएंडटी पर लगाया पांच लाख का जुर्माना | पेज 5 उन्नाव में बिना फायर एनओसी के चलते मिले 21 अस्पताल, सीएमओ ने निरस्त किया रजिस्ट्रेशन | पेज 7 यूक्रेन के खिलाफ अफगान सैनिकों को उतारेगा रूस, दे रहा तरह-तरह के लालच

पुलवामा: लश्कर कमांडर समेत तीन आतंकी ढेर

सतर्कता की वजह से बड़ा हमला टाल दिया गया

श्रीनगर। पुलवामा के अवंतीपोरा में मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को ढेर कर दिया। इसमें एक विदेशी आतंकी भी शामिल है। एडीजीपी कश्मीर के मुताबिक सूत्रों के हवाले से पता चला है कि मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर मुख्तार भट भी शामिल था। वह अन्य आतंकियों केसाथ सुरक्षाबलों के कैंप पर फिदायीन हमला करने जा रहा था। इस तरह पुलिस और आर्मी ने मिलकर उरी जैसा हमला टाल दिया है। आतंकियों के पास से एक एके-47 राइफल, एक एके 56 राइफल और एक पिस्तौल बरामद की गई है।

एडीजी कश्मीर ने बताया कि मुख्तार भट एक एएसआई और सीआरपीएफ, आरपीएफ जवानों की हत्या में भी शामिल था। आतंकियों को ढेर करने के बाद भी सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों के मुताबिक सुरक्षाबलों को आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद उन्हें घेर लिया गया। घिरने के बाद आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में तीन आतंकी मारे गए।

आतंकियों के साथ एक मुठभेड़ बीजबेहाड़ा में हुई। इसमें भी एक आतंकी मारा गया। वहीं तीन आतंकी अवंतीपोरा में मारे गए। उधर रंगरेथ में भी तीन आतंकियों को दबोचा गया था। वे लालचौक पर धमाका करना चाहते थे। उनसे पूछताछ जारी है। आशंका है कि आतंकी आईईडी का इस्तेमाल करके सुरक्षाबलों के काफिले को उड़ाना चाहते थे। हालांकि सतर्कता की वजह से बड़ा हमला टाल दिया गया।

कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने पुलवामा मुठभेड़ में आतंकवादियों के मारे जाने को सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता करार दिया। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, अवंतीपोरा मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान की कोशिश की जा रही है। एक अधिकारी ने कहा, सुरक्षा बलों ने अनंतनाग में बिजबेहरा के सेमथान इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाने के बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की जिससे तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। उन्होंने कहा, एक आतंकवादी मारा गया है, जबकि अभियान अभी जारी है।

पंजाब, हरियाणा उच्च न्यायालय में 10 अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में एक अधिवक्ता समेत 10 न्यायिक अधिकारियों को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग ने मंगलवार को अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित एक अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के अनुसार, न्यायिक अधिकारी गुरबीर सिंह, दीपक गुप्ता, श्रीमती अमरजोत भट्टी, श्रीमती रितु टैगोर, श्रीमती मनीषा बत्रा, सुश्री हरप्रीत कौर जीवन, श्रीमती सुखविंदर कौर, संजीव बेरी, विक्रम अग्रवाल और अधिवक्ता कुलदीप तिवारी को पदोन्नत कर दो वर्षों के लिए अतिरिक्त न्यायाधीश बनाने की मंजूरी राष्ट्रपति ने दी है।

मोरबी हादसा

प्रधानमंत्री ने 01 नवंबर को गुजरात के मोरबी में मोरबी हादसे के पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की।

बेइज्जती का बदला लेने को कर दिए 3 खून

दिल्ली पुलिस 6 घंटे में सुलझाई ट्रिपल मर्डर की गुत्थी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के हरिनगर इलाके के एक घर में मंगलवार को हुए सनसनीखेज ट्रिपल मर्डर की गुत्थी को घटना के महज 6 घंटे के अंदर ही सुलझाते हुए दो आरोपियों गिरफ्तार कर लिया है, जबकि कुछ आरोपी अब भी फरार हैं। आरोपियों ने कथित बेइज्जती का बदला लेने के लिए इस जघन्य हत्याकांड को अंजाम दिया था। जानकारी के अनुसार, हरिनगर इलाके के एक घर में मंगलवार को पति-पत्नी और उनकी नौकरानी की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। तीनों की लाशें लहूलुहान हालत में पड़ी मिली थीं। मृतकों की पहचान समीर आहूजा (38), उनकी पत्नी शालू (35) और

उनकी नौकरानी सपना (33) के रूप में हुई है। शालू अपने घर के नीचे वाले फ्लोर पर एक पार्लर चलाती थी।

डीसीपी (पश्चिम) घनश्याम बंसल ने कहा कि घटना के सिलसिले में नजफगढ़ निवासी सचिन (19) और उत्तर नगर निवासी सुजीत (21) को गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी ने बताया कि अशोक नगर क्षेत्र के एक घर में चोरी की की सूचना हरि नगर थाने में सुबह करीब सवा नौ बजे मिली थी।

घर के जिंदा मिली नाबालिग बेटी

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घर के ग्राउंड फ्लोर पर शालू द्वारा चलाए जा रहे सैलून में महिलाओं की गला काटकर हत्या की गई थी, जबकि समीर का शव फर्स्ट फ्लोर पर मिला, जिसके चेहरे और सिर पर कई चोटों के निशान पाए गए। अधिकारी ने कहा कि दंपति की नाबालिग बेटी जीवित थी और फर्स्ट फ्लोर पर हॉल में सो रही थी। पुलिस ने कहा कि उन्होंने घटनास्थल पर एक पैन बरामद किया। आशंका है कि आरोपियों ने समीर पर हमला करने के लिए इसी पैन का इस्तेमाल किया। पुलिस ने बताया कि शालू का आईफोन-13, अपराध में इस्तेमाल हथियार और खून से सना तौलिया आरोपियों के पास से बरामद हुआ है।

दो बाइकों पर आए थे बदमाश

नौकरानी सपना सुबह करीब आठ बजे घर आई थी और समीर का ड्राइवर वहां नौ बजे पहुंचा था, जिसने घटना की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच के बाद पुलिस ने पाया कि सुबह करीब आठ बजे बदमाश दो बाइक पर आए थे। सुबह नौ बजे उन्हें जल्दबाजी में वहां से भागते हुए देखा गया था।

तेलंगाना में टीआरएस-भाजपा वर्कर्स के बीच पत्थरबाजी

एक-दूसरे पर लाठियां भी बरसाईं, उपचुनाव प्रचार के दौरान हो गया था झगड़ा

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना में उपचुनाव में प्रचार कर रहे टीआरएसऔर भाजपा वर्कर्स के बीच मंगलवार को झड़प हो गई। घटना नलगोंडा की है। इसका वीडियो भी वायरल हुआ है। वीडियों में दोनों पार्टी के कार्यकर्ता एक-दूसरे पर पत्थरबाजी करते नजर आ रहे हैं।

इस दौरान दोनों पक्षों के बीच लाठियां भी चलीं। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला।

3 नवंबर को होने हैं उपचुनाव

दरअसल, 3 नवंबर को तेलंगाना की मुनुगोड़े विधानसभा सीट पर उपचुनाव हैं। इसे लेकर दोनों पार्टी जोर-शोर से प्रचार में लगी हैं। मंगलवार को उपचुनाव के प्रचार का आखिरी दिन था।

इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पार्टियों में विवाद हो गया। मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र में वोटर्स की संख्या करीब 2.41 लाख है। इनमें 1,21,720 पुरुष और 1,20,128 महिलाएं हैं, जिसमें 60 प्रतिशत से ज्यादा वोटर्स पिछड़े वर्गों के हैं।

दिल्ली की फुटवियर फैक्ट्री में आग, 2 लोगो की मौत

तीसरी मंजिल पर ब्लास्ट हुआ, 20 मजदूरों को निकाला; इमारत में 100 लोग थे

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला में मंगलवार सुबह फुटवियर फैक्ट्री में आग लग गई। हादसे में 2 लोगों की जान चली गई है। फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना सुबह 8:30 बजे दी गई थी। हादसे के वक्त फैक्ट्री में 100 मजदूर काम कर रहे थे। 20 को रेस्क्यू किया गया। इनमें 18 बुरी तरह झुलस गए और 2 की मौत हो गई।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि आग लगने की वजह ब्लास्ट है। फैक्ट्री के भीतर पॉलीयूरेथेन मशीन रखी थी। जब इसका स्विच ऑन किया गया तो ब्लास्ट हो गया। आगे की जांच जारी है।

तीसरी मंजिल पर आग, इमारत में थे 100 मजदूर

फैक्ट्री की तीसरी मंजिल पर आग लगी थी। उस वक्त इमारत में 100 मजदूर काम कर रहे थे। मजदूरों को फायर ब्रिगेड कर्मियों ने सीढ़ियों से मजदूरों को रेस्क्यू किया।

लपटों पर काबू पाया, कूलिंग में लगेगा वक्त

फायर ब्रिगेड अफसर ने बताया कि आग की लपटों पर काबू पा लिया गया है। हादसे के वक्त इमारत में काफी धुआं भर गया था। अफसर ने बताया कि अभी कूलिंग में काफी वक्त लगेगा।

पहले भी नरेला की फुटवियर फैक्ट्री में लगी थी आग

23 सितंबर को भी नरेला में ही एक फुटवियर फैक्ट्री में आग लग गई थी, जिस पर बाद में काबू पा लिया गया था। इसमें किसी की जान नहीं गई थी।

मोरबी में हत्या के लिए भाजपा का भ्रष्टाचार जिम्मेदार : सिसोदिया

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा की गुजरात के मोरबी में हुए हादसे में जो तथ्य सामने आये उससे ये साफ़ है कि यह हादसा नहीं हत्या है और इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का भ्रष्टाचार है। सिसोदिया ने संवाददाता सम्मेलन में आज कहा कि मोरबी में भाजपा के भ्रष्टाचार के कारण सैकड़ों लोगों और मासूम बच्चों को अपनी जान गंवानी पड़ी और इसपर भाजपा और उसके नेता चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने सवाल किया कि मोरबी पुल के पुन:निर्माण का ठेका एक घड़ी बनाने वाली कंपनी को क्यों दिया गया? जबकि इस कंपनी ने कभी पुल नहीं बनाया। इसे पुल बनाने का कोई अनुभव नहीं था। इतने बड़े और महत्वपूर्ण काम का ठेका बिना टेंडर किसी कम्पनी को क्यों दिया गया ?उन्होंने कहा कि भाजपा को

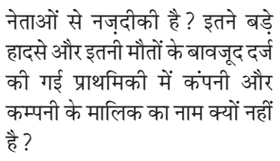

इसका जवाब देना चाहिए कि बगैर टेंडर जारी किए किसी ग़ैरअनुभवी कम्पनी को ऐसा ठेका देने के लिए किसने कितने पैसे खाये? पुल का पुनर्निर्माण आठ महीने में होना था। क्या कारण था कि इन्होंने पांच महीनों में ही एक घटिया पुल बना कर चालू कर दिया? भाजपा बताए कि उसने इस कम्पनी से और इसके मालिकों से कितना चंदा लिया है और इस कम्पनी के मालिकों की भाजपा के किन नेताओं से नज़दीकी है? इतने बड़े हादसे और इतनी मौतों के बावजूद दर्ज की गई प्राथमिकी में कंपनी और कम्पनी के मालिक का नाम क्यों नहीं है?

दिल्ली की हवा में जहर, साल की सबसे प्रदूषित

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मंगलवार साल का सबसे ज्यादा प्रदूषित दिन रहा। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 424 के अंक पर पहुंच गया है। इससे पहले, इस साल में दो जनवरी के दिन ही एक्यूआई 400 के अंक से ऊपर पहुंचा था।

पहले की तुलना में इस साल दिल्लीवालों के लिए जुलाई, अगस्त और सितंबर का महीना खासी साफ-सुथरी हवा वाला रहा। वहीं, अक्तूबर के पहले पखवाड़े में भी बारिश के चलते लोगों ने साफ हवा में सांस ली। अब दिल्ली के लोग साल के सबसे ज्यादा भयावह प्रदूषण का सामना कर रहे हैं। बीते छह दिनों से लगातार हवा बेहद खराब श्रेणी में चल रही थी।

मंगलवार को यह गंभीर स्तर पर पहुंच गई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली का एक्यूआई 424 दर्ज किया गया, जो साल में प्रदूषण का सर्वाधिक

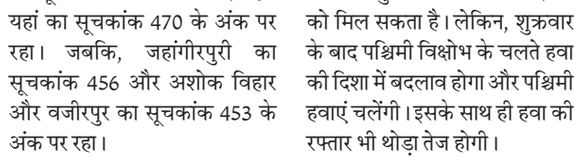

स्तर है। एक दिन पहले यानी सोमवार को एक्यूआई 392 के रहा था। चौबीस घंटे के भीतर इसमें 32 अंकों का इजाफा हुआ है। दिल्ली के लगभग सभी निगरानी केन्द्रों का सूचकांक 400 के अंक से ऊपर है।

सोनिया विहार में सबसे ज्यादा

मंगलवार को दिल्ली के सोनिया विहार में प्रदूषण का स्तर सबसे ज्यादा रहा। यहां का सूचकांक 470 के अंक पर रहा। जबकि, जहांगीरपुरी का सूचकांक 456 और अशोक विहार और वजीरपुर का सूचकांक 453 के अंक पर रहा।

शुक्रवार के बाद राहत मिलने के आसार

वायु गुणवत्ता विशेषज्ञ व सफर के परियोजना संस्थापक निदेशक गुफरान बेग के मुताबिक दिल्ली के लोगों को अभी दो दिन तक और ऐसी ही जहरीली प्रदूषित हवा में सांस लेनी पड़ेगी। वायु गुणवत्ता में हल्का परिवर्तन बुधवार की शाम को देखने को मिल सकता है। लेकिन, शुक्रवार के बाद पश्चिमी विक्षोभ के चलते हवा की दिशा में बदलाव होगा और पश्चिमी हवाएं चलेंगी। इसके साथ ही हवा की रफ्तार भी थोड़ा तेज होगी।

सहारनपुर : ट्रक से कुचलकर तीन की मौत

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में मंगलवार को सड़क सुरक्षा अभियान की शुरूआत होने के कुछ समय बाद ही तीन लोगों की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। हादसे के पीछे ट्रक चालक को नींद आना बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार यह सड़क हादसा आज थाना गागलहेड़ी क्षेत्र में हुआ। चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। थानाध्यक्ष सुनील नेगी ने बताया कि ट्रक सहारनपुर से भगवानपुर की ओर जा रहा था।

पुलिस के मुताबिक ट्रक चालक को नींद में झपकी लग गई। बेकाबू ट्रक चालक ने गांव बेहड़ी गुर्जर के पास दो बाइकों पर सवार 52 वर्षीय भोपाल सिंह पुत्र सक्कूराम निवासी ग्राम भाभरी और 48 वर्षीय सुशील कुमार पुत्र नेतराम निवासी हनुमान नगर कोतवाली देहात और कोका कोली कंपनी के बाहर खडे गार्ड 55 वर्षीय ओमकार पुत्र सुमेरचंद निवासी गांव बुंडुखेडी अहीर को चल दिया।

महाराष्ट्र के सोलापुर में कार ने श्रद्धालुओं को कुचला : 7 की मौत

कई घायल; पीड़ित परिवारों को सीएम ने 5-5 लाख देने का ऐलान किया

एजेंसी

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर में सोमवार शाम तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रद्धालुओं का जत्था कार्तिक एकादशी के लिए जठरवाड़ी से मंदिर नगर पंढरपुर जा रहा था, तभी एक कार ने जत्थे में शामिल कई लोगों को कुचल दिया। एसयूवी कार को 75 साल के बुजुर्ग चला रहे थे। उनका कार से नियंत्रण हट गया, जिसके बाद उन्होंने श्रद्धालुओं पर कार चढ़ा दी।

जत्थे में शामिल थे 32 श्रद्धालु

पुलिस ने बताया कि हादसा सोमवार शाम करीब 6.45 बजे मुंबई से करीब 390 किलोमीटर दूर संगोला शहर के पास हुआ। 32 श्रद्धालुओं का जत्था तीन दिन पहले कोल्हापुर से चला था। संगोला के पास एक तेज रफ्तार एसयुवी ने पीछे से श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद से पुलिस मौके पर मौजूद है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है।

हंगामा

तालाबंदी की कोशिश में पुलिस ने किया लाठीचार्ज

एनटीपीसी दादरी प्लांट पर 24 गांवों के किसानों का हंगामा

नोएडा। एनटीपीसी दादरी में 1980 में हुए जमीन अधिग्रहण के मामले में एक बार फिर से किसान सड़कों पर आ गए हैं। मंगलवार को सैकड़ों की तादाद में आए किसानों ने प्लांट के गेट पर जमकर हंगामा किया और वहां पर तालाबंदी का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और पीएसी के अधिकारियों ने हंगामा कर रहे किसानों को काफी समझाने का प्रयास किया। जब किसान नहीं माने तो पहले तो उन पर वाटर केनन और फिर बाद में लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया गया। इसमें कुछ किसानों को चोट भी आई हैं। किसानों के प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय

अध्यक्ष सुखवीर पहलवान समेत करीब 30 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है, जिसमें कुछ महिलाएं भी शामिल हैं।

1980 में हुए जमीन अधिग्रहण से असंतुष्ट हैं किसान

एनटीपीसी दादरी के लिए वर्ष 1980 में जमीन का अधिग्रहण किया गया था। किसानों का कहना है कि उस दौरान कुछ जमीन 10 रुपये के रेट पर और कुछ जमीन 150 रूपये के रेट पर अधिग्रहित हुई थी। उस समय करार किया गया था कि जो सुविधाएं और मुआवजा प्राधिकरण के द्वारा अन्य किसानों को दिया जाएगा, वही उन्हें भी मिलेगा। अब किसानों की मांग है कि उन्हें बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जाए और क्षेत्र का विकास हो। इन मांगों को लेकर किसानों ने प्राधिकरण को 31 अक्टूबर तक का समय दिया था और एक नवंबर से प्लांट पर तालाबंदी का ऐलान किया था।

मुख्यमंत्री के हाथों 10459 दारोगा, सार्जेंट-सिपाही को मिलेंगे नियुक्ति-पत्र

इसी क्रम में मंगलवार को क्षेत्र के गांव ऊंची अमीरपुर, खंगौड़ा, सीधीपुर, ततारपुर, रसूलपुर, प्यावली बिसाहड़ा, बड़पुरा, कैलाश पुर, रूपबांस समेत 24 गांवों के किसान प्लांट के गेट पर पहुंच गए और वहां पर तालाबंदी का प्रयास करते हुए धरना दिया। हालांकि, भारी फोर्स होने के कारण वह तालाबंदी नहीं कर सके।

कई किसानों के चोटें भी आईं

इस दौरान उनकी अनेक बार पुलिस अधिकारियों से नोंकझोंक भी हुई। आरोप है कि दोपहर में अचानक से प्लांट पर पीएसी कर्मियों की संख्या बढ़ गई और उसके बाद किसानों पर पहले फायर बिग्रेड की गाड़ियों से पानी की बौछार डाली गई और फिर उन पर लाठीचार्ज कर दिया गया, जिसमें अनेक किसानों के चोटें भी आई हैं।

शार्ट न्यूज

केरल में जहर देकर युवक को मारा, युवती के बाद परिजन को पुलिस ने किया गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल पुलिस ने संबंध तोड़ने से इनकार करने पर 23 वर्षीय पुरुष मित्र को ज़हर देकर जान से मारने की आरोपी युवती के दो रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस मामले में सबूत नष्ट करने के आरोप में महिला की मां और चाचा को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने कहा, हम फिलहाल उन्हें सबूत जुटाने के लिए ले जा रहे हैं। ग्रीष्मा (22) को 14 अक्टूबर को अपने आवास पर पीड़ित शेरोन राज (23) को ज़हर दे कर जान से मारने की बात कबूल करने के एक दिन बाद सोमवार दोपहर को गिरफ्तार किया गया था। गिफ्तारी से पहले, ग्रीष्मा ने यहां नेडुमंगाड थाने में शौचालय ले जाने के दौरान कीटाणुनाशक खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया था। युवती को तुरंत अस्पताल ले जाया गया और उसकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर होने की पुष्टि के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डी. सिल्पा ने संवाददाताओं से कहा कि उन महिला पुलिसकर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिन्हें आरोपी की निगरानी के लिए तैनात किया गया था और वह उसे निर्दिष्ट शौचालय के अलावा दूसरे शौचालय में ले गई थीं। जिले के परसाला निवासी शेरोन (23) को ज़हर देने की बात कबूल करने के बाद 30 अक्टूबर की रात ग्रीष्मा को हिरासत में ले लिया गया था।

जम्मू में वायु प्रदूषण बढ़ा

जम्मू। जम्मू शहर में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है लेकिन अनुमान है कि बारिश होने के बाद इसमें कमी आएगी। अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि दीपावाली की आतिशबाजी के कारण आमतौर पर वायु प्रदूषण बढ़ जाता है, लेकिन इस बार त्योहार में यह सामान्य रहा और बाद में बढ़ने लगा। उन्होंने बताया कि जम्मू में शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 112 दर्ज किया गया, जो सामान्य से ज्यादा था जबकि यह दीपावाली के बाद 78 से 100 के बीच था। उन्होंने कहा कि चार नवंबर तक एक्यूआई 130 तक पहुंचन सकता है जो कि बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं है। एक पल्मोनोलॉजिस्ट के अनुसार किसी भी शहर का एक्यूआई 70 से 100 तक सामान्य माना जाता है, लेकिन अगर यह 100 से ज्यादा हो जाता है, तो हवा में धूल कणों की मात्रा बढ़ जाती है जो श्वसन मार्ग से फेफड़ों में प्रवेश कर सांस की बीमारियों का कारण बनती है। उन्होंने कहा कि अगर बारिश नहीं होती है, तो वायु प्रदूषण और बढ़ सकता है, जो बच्चों और बुजुर्गों के लिए ठीक नहीं है। एक पर्यावरणविद् ने कहा कि अगर अगले कुछ दिनों में बारिश नहीं हुई तो समस्याएं बढ़ जाएंगी।

नैनीताल, ऊधमसिंहनगर जिले में 493 किमी सड़क गड्ढा मुक्त

हल्द्वानी/नैनीताल। उत्तराखंड में बरसात के बाद सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नैनीताल और ऊधमसिंहनगर जिले में 493 किलोमीटर सड़क को गड्ढा मुक्त किया गया है। लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता दीपक यादव की ओर से यह बात काठगोदाम सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की ओर से आयोजित समीक्षा बैठक में कही गयी। उन्होंने बताया कि नैनीताल जिले में 94 प्रतिशत सड़कों को गड्ढा मुक्त कर दिया गया है। नैनीताल जिले में 414 किमी सड़क के सापेक्ष 354 किमी सड़कें, जबकि उधमसिंह नगर जनपद में 168 किमी के सापेक्ष 159 किमी सड़कें गड्ढामुक्त हो चुकी हैं। बाकी सड़कों को बहुत जल्द गड्ढा मुक्त करने का कार्य प्रगति पर है। इससे पहले बैठक में मुख्यमंत्री ने समस्त मार्गों को शीघ्र गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए और कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कार्यों में कोताही एवं समय से कार्य नहीं करने वाले अधिकारियों के साथ ही ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को समय-समय पर गुणवत्ता परीक्षण के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग को सिडकुल के अधीन चोरगलिया-सितारगंज सड़क को भी गड्ढा मुक्त करने के भी निर्देश दिये।

महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करने वाले द्रमुक पदाधिकारी पर मुकदमा

चेन्नई। तमिलनाडु में चेन्नई पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला कार्यकत्रियों पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एक पदाधिकारी पर मामला दर्ज किया है। भाजपा महिला मोर्चा की सदस्यों और अभिनेत्री खुशबू सुंदर, गायत्री जयराम और नमिता की शिकायत पर चेन्नई सिटी पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने द्रमुक पदाधिकारी सैदई सिद्दीक के खिलाफ पांच धाराओं के तहत मामले दर्ज किये हैं। सिद्दीक ने पिछले दिनो आरके नगर में आयोजित द्रमुक सरकार की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम में भाजपा कार्यकत्रियों के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी की। उनके भाषण की एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ा और द्रमुक नेता की खासी आलोचना हुयी। द्रमुक की उप महासचिव और लोकसभा सांसद कनिमोझी ने भी महिलाओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि कि उनकी पार्टी इस तरह की टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं करेगी। इस बीच, सिद्दीक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे भाजपा तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के.अन्नामलाई और भाजपा महिला विंग के सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अन्नामलाई ने भारी बारिश के बीच वल्लुवर कोट्टम के सामने आयोजित प्रदर्शन में भाग लिया और भाजपा महिला नेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए द्रमुक पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बाद में सभी को पूर्व अनुमति के बिना विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

चेन्नई में भारी बारिश से दो लोगों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु में पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत के बाद सोमवार रात से भारी बारिश से संबंधित घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उत्तरी चेन्नई में एक महिला फूल विक्रेता के ऊपर कंक्रीट से बनी स्लैब के गिरने से उसकी मौत हो गयी। पीड़िता पुलियंथोपे की निवासी थी। पीड़ित महिला शांति हैंडपंप से पानी खींच रही थी तभी कल रात से हो रही भारी बारिश के कारण उसके सिर के ऊपर का कंक्रीट का स्लैब टूट कर गिर गया और वह वहीं निढाल होकर गिर गयी। पुलिस और दमकलकर्मी ने उसे मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घर के मालिक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। शहर में इस दौरान एक अन्य हादसा हुआ। जहां उत्तरी चेन्नई के व्यासरपड़ी में एक 52 वर्षीय ऑटोरिक्शा चालक की करंट लगने से मौत हो गयी। पीड़ित ऑटोरिक्शा चालक देवेंद्रन घर की ओर आ रहा था तभी वह पंडाल में लगे हुए खंभे के संपर्क में आ गया और बारिश के कारण करंट फैलने से वह उसके चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी। ऑटो चालक के शव को पोस्ट-मार्टम के लिए सरकारी स्टेनली अस्पताल भेजा गया है।

हिमाचल चुनाव : पूर्व विधायक ने कांग्रेस पर लगाया टिकट बेचने का आरोप

ऊना। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए पूर्व विधायक राकेश कालिया ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस ने राज्य विधानसभा चुनाव में गगरेट सीट के टिकट के एवज में 14 करोड़ रूपये वसूल किये हैं हालांकि कांग्रेस ने इस आरोप को मिथ्या करार दिया है। गगरेट विधानसभा सीट का टिकट नहीं मिलने से खफा श्री कालिया ने पिछली 25 अक्टूबर को कांग्रेस से किनारा कर लिया था और भाजपा में शामिल हो गये थे। उन्होने 12 नवबंर को होने वाले चुनाव के लिये टिकट की खरीद फरोख्त में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता का नाम लिया है। घोटाले पर श्री कालिया के भाषण का वीडियो वायरल ने सनसनी मचा दी है जिसमें वह एक जनसभा को संबोधित करते हुये कह रहे हैं कि उन्हें टिकट से वंचित नहीं किया गया, बल्कि कांग्रेस ने इसे ऊंचे दाम पर बेच दिया है। वहीं पूर्व विधायक ने कहा मैं इस अपमान को बर्दाश्त नहीं कर सका।

पुलवामा हमले का जश्न मनाने वाले इंजीनियरिंग स्टूडेंट को जेल

बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने सुनाई सजा, कहा- आरोपी अनपढ़ नहीं है

बेंगलुरु। बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने एक इंजीनियरिंग स्टूडेंट को पांच साल की सजा सुनाई है।

फैज राशिद पर 2019 में पुलवामा अटैक में शहीदों का मजाक उड़ाने और जश्न मनाने का आरोप लगा था। बेंगलुरु के कचरकनहल्ली का नागरिक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उस पर 10 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है।

बेंगलुरु की सेंट्रल क्राइम ब्रांच के मुताबिक राशिद तीसरे सेमेस्टर का स्टूडेंट है और उसने न्यूज चैनलों के 24 अलग-अलग पोस्ट पर शहीदों के खिलाफ कमेंट किए थे, जो आपत्तिजनक थे। जिसके बाद उसे

गिरफ्तार किया गया था।

कोर्ट ने कहा- आरोपी अनपढ़ नहीं, इंजीनियरिंग का स्टूडेंट है

राशिद के अच्छे कैरेक्टर के आधार पर कोर्ट ने उसे रिहा करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि आरोपी अनपढ़ या कोई नॉर्मल व्यक्ति नहीं है। वह एक इंजीनियरिंग का स्टूडेंट है। उसने जानबूझकर फेसबुक पर पोस्ट लिखा और पुलवामा अटैक में शहीद होने वाले जवानों का मजाक उड़ाया। यह एक जघन्य अपराध है, जिसे माफ नहीं किया जा सकता है।

राशिद के पोस्ट पर काफी बवाल मचा था। जिसके बाद पुलिस ने उसके फोन की फोरेंसिक जांच की थी। उस पर देशद्रोह, धर्म के आधार पर दुश्मनी भड़काने, सबूत मिटाने, और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने समेत कुल 13 धाराओं में केस किया गया था।

पुलवामा अटैक में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे

14 फरवरी 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने सीआरपीएफ के जवानों के काफिले पर हमला कर दिया था। इसमें एक बस को बम से उड़ा दिया था। हमले में सीआरपीएफके 40 जवान शहीद हो गए थे। हमले को जैश ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर अंजाम दिया था। एनआईए ने 19 लोगों को इस हमले की साजिश रचने का आरोपी बनाया था, जिनमें से 6 को सेना ने मुठभेड़ में मार गिराया था।

तमिलनाडु में भारी बारिश, छत गिरने से महिला की मौत

चेन्नई। पूर्वोत्तर मानसून के सक्रिय होने से चेन्नई समेत तमिलनाडु के कई इलाकों में हो रही भारी बारिश के बीच मकान की छत गिरने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गयी।

श्रीलंका के उत्तरी और तमिलनाडु के दक्षिणी तट पर वायुमंडल दवाब बनने से राज्य के अधिकांश जिलों में कल रात से हो रही बारिश का सिलसिला मंगलवार सुबह भी जारी रहा जिससे कई इलाकों में जलभराव की समस्या से लोगों को दो चार होना पड़ा। चेन्नई समेत कई शहरों के प्रमुख चौराहों में ट्रैफिक जाम हो गया। जिससे कार्यालय जाने वालों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर यातायात प्रभावित होने से चेन्नई मेट्रो में भीड़ बढ़ गयी।

इस बीच, पुलियनथोपे इलाके में एक घर की छत गिरने से 46 वर्षीय महिला की मौत हो गई जिसकी पहचान शांति के रूप में हुई है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि इमारत का एक हिस्सा रात से हो रही बारिश के कारण भरभरा कर गिर गया जो हादसे का सबब बना।

उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने मलबे को हटाना शुरू किया और इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। तमिलनाडु पुलिस और दमकल कर्मियों ने मलबे को साफ किया और उसमें दबी महिला को निकाल कर नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गौरतलब है कि टोंडियारपेट, मदिपक्कम सहित शहर के कई इलाकों तिरुवोट्रियूर, मनाली, पल्लीकरनई, वेलाचेरी, अरुम्बक्कम, एककातुथंगल, केके नगर और एग्मोर में कल रात से भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण आज कई स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित की गई।

मौसम विभाग के अनुसार शहर में सुबह साढ़े आठ बजे तक सात सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई जबकि उपनगरों में 10 सेमी से अधिक बारिश हुयी है।

किन्नर समाज की अध्यक्ष के घर से अज्ञात नकदी एवं 25 लाख के आभूषण चोरी

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के कठूमर में किन्नर समाज की अध्यक्ष मंजू बाई के घर में अज्ञात लुटेरे नगदी सहित 25 लाख रुपए के सोने चांदी के आभूषण चुरा कर फरार हो गए। किन्नर मंजू बाई ने बताया कि अपने परिजनों के साथ दीपावली की रात लक्ष्मी पूजन कर दिल्ली में आयोजित किन्नर समाज के एक कार्यक्रम में गई हुई थी, जो कि अपने मसारी रोड स्थित मकान पर पहुंची जहां देखा तो गेट की कुंडिया कटी हुई थी। अंदर सारा सामान बिखरा हुआ पड़ा था। चोरों ने कटर से सारे कमरों के ताले कांटे और फिर बड़ी आसानी से हर अलमारी हर जगह का सामान खंगाल कर देखा है उसके बाद ही चुन चन कर सोने चांदी और नकदी का सामान लेकर गए हैं।उसने पुलिस को सूचना दी पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान मंजू बाई ने बताया कि करीब पांच लाख रुपए नगद, 20 तोला सोना एवं चांदी सहित करीब 25 लाख रुपए का सामान चोर चोरी कर ले गए जिसको लेकर क्षेत्र लोगों द्वारा आशंका जताई जा रही है कि संभवत बाजार में अजय किराना स्टोर पर चोरी हुई है उसी रात्रि को यह चोरी की घटना भी हुई है।

एनएचआरसी ने कश्मीरी पंडित पिता-पुत्र की मौत पर रिपोर्ट मांगी

एजेंसी

श्रीनगर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मंगलवार को जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव से आठ सप्ताह के अंदर 1990 में एक कश्मीरी पंडित पिता-पुत्र की मौत पर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये हैं।

लेखक एवं कवि कश्मीरी पंडित सर्वानंद कौल प्रेमी के पुत्र राजिंदर प्रेमी ने इस मामले में एनएचआरसी से गुहार लगायी थी। श्री सर्वानंद की अप्रैल 1990 में आतंकवादियों ने उनके बेटे के साथ हत्या कर दी थी। पिछले वर्ष जम्मू कश्मीर सरकार ने सर्वानंद प्रेमी के साहित्यिक योगदान को मान्यता प्रदान करते हुए उन्हें मरणोपरांत लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया था। इस वर्ष जम्मू कश्मीर सरकार ने अनंतनाग जिले में एक शैक्षणिक संस्थान का नाम सर्वानंद कौल प्रेमी के नाम पर रखा।

एनएचआरसी ने 27 अक्टूबर को पाया कि पूर्ववर्ती एसएचआरसी की सिफारिश को प्रभावी बनाने के लिए पहले भी कई निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

एनएचआरसी ने कहा कि जम्मू कश्मीर प्रशासन को एक ऐसी राशि स्वीकृत करनी चाहिए जो प्रेमी के परिवार को व्यक्तिगत, शारीरिक और अन्य नुकसान की भरपाई करने के लिए पर्याप्त हो।

एनएचआरसी ने पुलिस को एक पूर्ण संशोधित और परिशोधित एफआईआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया, जिसमें अनधिकार प्रवेश, लूटपाट और अपहरण का पूरा तथ्यात्मक विवरण मौजूद हो। इसने कहा कि पूर्ववर्ती एसएचआरसी ने निर्देश दिया था कि इस मामले को पुलिस उपाधीक्षक या उसके उपर के किसी अन्य पुलिस अधिकारी को सौंपा जाए लेकिन इस मामले में अबतक कोई प्रगति नहीं हुई।

एनएचआरसी ने अपने आदेश में कहा कि, यह प्रशासन का यह दायित्व है कि वह जघन्य अपराधों की नए सिरे से जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल गठित करे, जिससे दोषियों को सजा और पीड़ित को त्वरित न्याय प्राप्त हो सके।

एनएचआरसी ने जम्मू-कश्मीर सरकार के जवाब देने के तरीके पर नाराजगी व्यक्त की क्योंकि यह मामला 2012 से ही लंबित है।

रेलवे की 29 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण मामले में सुनवाई पूरी, निर्णय सुरक्षित

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे की लगभग 29 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण से जुड़ी रविशंकर जोशी की जनहित याचिका और अतिक्रमणकारियों की ओर से दायर हस्तक्षेप याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई पूरी हो गयी और अदालत ने इन मामलों के फैसले को सुरक्षित रख लिया है।

दूसरी ओर अतिक्रमणकारियों के विस्थापन से जुड़े मामले में अदालत ने सुनवाई करने के बाद संबद्ध पक्षकारों से तीन सप्ताह में जवाबी हलफनामा प्रस्तुत करने को कहा है।

न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा और न्यायमूर्ति आरएस खुल्बे की युगलपीठ में पिछले दो दिन से रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण से जुड़ी जनहित याचिकाओं एवं हस्तक्षेप याचिकाओं पर सुनवाई हुई। आज भी अदालत ने पूरे दिन इन्हीं मामलों पर सुनवाई की। लगभग 18 अतिक्रमणकारियों की ओर से इसी साल मई में विभिन्न तथ्यों को आधार बनाकर हस्तक्षेप याचिका दायर की गयी थीं। अदालत ने इन्हें सुनवाई के लिये रिकार्ड में रख लिया था।

इनमें से दो हस्तक्षेपकर्ताओं ने अपनी याचिका वापस ले ली जबकि एक याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया। शेष याचिकाओं पर अदालत ने निर्णय सुरक्षित रख लिया। इस मामले को प्रकाश में लाने वाले मुख्य याचिकाकर्ता रविशंकर जोशी के अधिवक्ता राजीव सिंह बिष्ट ने बताया कि मुख्य जनहित याचिका एवं सभी हस्तक्षेप याचिकाओं पर सुनवाई पूरी हो गयी है और अदालत ने निर्णय सुरक्षित रख लिया है।

वहीं याचिकाकर्ता मुस्तफा हुसैन व मोहम्मद गुफरान द्वारा अलग अलग जनहित याचिकाओं के माध्यम से अदालत से क्रमश: अतिक्रमणकारियों को हटाने से पहले उनके विस्थापन व इस पूरे क्षेत्र को स्लम क्षेत्र घोषित करने की मांग की गयी थी। अधिवक्ता सिद्धार्थ साह ने बताया कि अदालत ने विस्थापन के मामले में केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, नगर निगम हल्द्वानी के अलावा अन्य पक्षकारों से तीन सप्ताह में जवाबी हलफनामा प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में प्रवेश न मिलने पर पत्रकारों ने दिया धरना

फगवाड़ा। पंजाब के फगवाड़ा में मंगलवार को मुख्यमंत्री के नागरिक अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में प्रवेश न मिलने पर प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लगभग 50 पत्रकारों ने विरोध जताते हुए धरना दिया। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन करने मुख्यमंत्री आये थे। धरनारत पत्रकारों ने दो घंटे तक फगवाड़ा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। आरोप है कि प्रशासन ने इस कार्यक्रम में पत्रकारों को आमंत्रित तो नहीं ही किया था, लेकिन कार्यक्रम कवर करने पहुंचे पत्रकारों को पुलिस ने प्रवेश नहीं करने दिया। विरोध स्वरूप लगभग 50 पत्रकार कार्यक्रम स्थल के बाहर दरवाजे पर धरने पर बैठ गये।

ओडिशा में एक करोड़ की नशीले पदार्थ के साथ चार लोग गिरफ्तार

एजेंसी

पुरी। ओडिशा के पुरी में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशीले पदार्थ की तस्करी करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार कर एक करोड़ रूपये मूल्य की 900 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मिहिर कुमार पांडा ने मंगलवार को यहां बताया कि सभी चारों आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था और पुलिस ने उनके पास से नौ मोबाइल और 11,000 रुपये नकद भी जब्त किए थे। उन्होंने कहा कि पकड़े गए आरोपियों में से दो पश्चिम बंगाल के निवासी हैं।

उन्होंने कहा, पुलिस को सूचना मिली थी कुछ बाहरी लोग स्थानीय डीलरों को ड्रग्स की आपूर्ति करने वाले हैं। इस सूचना के आधार पर बसेलीसाही थाने की पुलिस ने छापा मारकर आरोपियों को धर दबोचा और इनके पास से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया।

इस सिलसिले में पुलिस ने मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

उन्होंने बताया कि आरोपी व्यक्तियों की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी अजादौ के हसन अली और अजीजुर रहमान के रूप में हुई है।

साथ ही ओडिशा के खुर्दा जिला के ताराबोई निवासी अली और जगतसिंहपुर जिला के मछगांव निवासी बिप्लब मलिक को भी गिरफ्तार किया गया है।

करोड़ों का मादक पदार्थ सीमेंट फैक्ट्री के बॉयलर में नष्ट किया

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में पुलिस द्वारा विभिन्न कार्यवाहियों के दौरान जब्त किए करोड़ों रुपए मूल्य के मादक पदार्थों को आज एक सीमेंट फैक्ट्री के बॉयलर में झोंक कर नष्ट कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि राजियासर थाना क्षेत्र के गांव उदयपुर गोदारान के समीप श्री सीमेंट फैक्ट्री में यह कार्यवाही की गई। इस दौरान अनेक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के 192 प्रकरणों में जब्त किया गया 2 हजार 563 किलो 65 ग्राम पोस्त, 47 किलो 523 ग्राम गांजा ,158 ग्राम 100 मिलीग्राम स्मैक, 1186 ग्राम 910 मिलीग्राम हेरोइन, 3 लाख 21 हजार 102 नशीली गोलियां और कफ सिरप के तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली नशीली दवा की 45 शीशियों को नष्ट किया गया है। जानकारी के अनुसार जिन प्रकरणों में अदालत ने जब्त किए हुए मादक पदार्थों को नष्ट करने के आदेश दिए हैं, उनमें ही यह कार्यवाही की गई है। यह मादक पदार्थ जिले के विभिन्न थानों के माल खानों में रखे हुए थे। सूत्रों ने बताया कि पुलिस थानों के माल खाने इतने भर गए हैं कि उनमें और जब्त की वस्तुएं रखने की जगह नहीं है।

सेवानिवृत्त पटवारी रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार

संगरूर। पंजाब सतर्कता विभाग ने आज एक सेवानिवृत्त पटवारी को पद पर रहते हुए 13 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि संगरूर जिले के लहरगंगा में तैनात रहते पटवारी हरबंस सिंह के खिलाफ लहरगंगा के एक निवासी ने शिकायत की थी कि पटवारी ने उनके परिवार के एक भूखंड के इंतकाल कराने के एवज में 13 हजार रुपये की रिश्वत ली थी। शिकायत की जांच के बाद पटवारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और आज गिरफ्तार किया गया।

पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर तथा दरगाह शरीफ अजमेर की पहचान : सीएम गहलोत

अजमेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर तथा दरगाह शरीफ भी अजमेर की पहचान है। यहां से सुख शांति, सद्भाव का संदेश पूरे देश प्रदेश में जाए ऐसी मेरी कामना है।

गहलोत आज अजमेर के पुष्कर मेला मैदान पर विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना करने एवं ध्वजारोहण के पश्चात पवित्र पुष्कर सरोवर के ब्रह्म घाट पर दीपदान कार्यक्रम में शिरकत की तथा पवित्र सरोवर की महाआरती करने के बाद अपना संक्षिप्त संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सरोवर के सभी 52 घाटों पर सवा लाख दीपक का दीपदान नई शुरुआत है जो यहां आजादी के बाद पहली बार संभव हो सकी है। इसके लिए मैं सभी को साधुवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बाद अब लम्पी रोग गौ माता मे फैला है जिसके चलते पशु मेला नहीं हो पाया लेकिन मैं अपनी ओर से सभी को शुभकामना देता हूँ।

पुष्करराज ..पावन धाम.. बताते हुये श्री गहलोत ने कहा कि यहां से यह संदेश देश में प्रदेश में जाए और सभी जाति धर्म के लोग शांति, सद्भाव, प्यार तथा भाईचारे से रहे। इस मौके पर पुरोहितों ने सरोवर में गंदे पानी आवक की पीड़ा को उजागर किया तो मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि इस समस्या का निदान जल्द हो जाएगा क्योंकि कलेक्टर साहब ने बताया है कि 98 लाख का टेंडर लग चुका है।

आदमपुर उप चुनाव लुटेरे और कमेरे के बीच : चौटाला

आदमपुर। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) प्रधान महासचिव एवं ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने मंगलवार को बालसमंद गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस दोनों पार्टियों ने मतदान से पहले ही अपनी हार मान ली है। चौटाला ने कहा कि जहां भाजपा ने अपने पार्टी प्रत्याशी को लावारिस छोड़ दिया है वहीं कांग्रेस की दाल जुतियों में बंट रही है। भाजपा और कांग्रेस ने शुरू से ही झूठा और भ्रामक प्रचार किया, लेकिन आदमपुर की जनता उनके बहकावे में नहीं आई। उन्होंने कहा कि आदमपुर उप-चुनाव में एक तरफ पूंजीपतियों का साथ देने वाली भाजपा सरकार और भाजपा का साथ देने वाले

भूपेंद्र हुड्डा की कांग्रेस पार्टी है, दूसरी तरफ किसान, कमेरे, छोटा व्यापारी और कर्मचारियों के हितों की लड़ाई लड़ने वाली इनलो है। भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार के आठ साल का कार्यकाल और कांग्रेस का दस साल के श्री भूपेंद्र हुड्डा के कार्यकाल में राज्य को जम कर लूटा गया है और किसान, कमेरे, छोटे व्यापारियों और आम जनता के हितों की अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि अब आदमपुर की जनता जागरूक हो चुकी है, अपना नफा-नुकसान जानती है। उन्होंने कहा कि आज इस विशाल जनसभा में हजारों की संख्या में पहुंच कर आप लोगों ने यह साबित कर दिया है कि कुरड़ा राम नंबरदार की एकतरफा जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि श्री भूपेंद्र हुड्डा ने जानबूझकर बाहरी प्रत्याशी जय प्रकाश को कांग्रेस का उम्मीदवार बनाया है ताकि भाजपा को जितवाया जा सके। जय प्रकाश भी कुलदीप बिश्नोई की तरह चुनाव खत्म होते ही पैसे इकट्ठे करके आदमपुर से गायब हो जाएगा। इनेलो नेता ने कहा कि इनेलो उम्मीदवार कुरड़ा राम नंबरदार आदमपुर से विधायक बनने का असली हकदार है और आदमपुर की जनता के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। श्री नंबरदार ने निस्वार्थ किसानों और कमेरों की लड़ाई लड़ी है और वह सभी को विश्वास दिलाते हैं कि विधायक बनने के बाद आदमपुर के विकास के लिए जनता की विधान सभा में पुरजोर आवाज उठाएंगे। उन्होंने अपील की कि यह सही समय है जब आप सभी मिलकर आदमपुर के एक किसान पुत्र को भारी मतों से जितवा कर विधान सभा भेजें।

जनसभा को संबोधित करते हुए इनेलो प्रत्याशी नंबरदार ने अपनी पगड़ी लोगों के सामने रख दी और भावुक हो कर कहा कि उन्होंने पंचायत का मान रखा और चुनाव लड़ने को तैयार हुए अब आप की बारी है कि एक साथ मिल कर चश्मे के निशान पर वोट डालें और किसानी की जीत सुनिश्चित करें।

कांग्रेस ने सांस्कृतिक विरासत का अपमान किया

शिमला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि कांग्रेस में 'मां-बेटे' के अलावा कोई नहीं दिखाई पड़ता है और इस पार्टी ने सांस्कृतिक विरासत का अपमान किया है। शाह ने मंगलवार को मंडी जिले के करसोग में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुये कहा, हमने वादा किया था कि हम आएंगे तो हिमाचल को विकास के रास्ते पर ले जाएंगे। आज हिमाचल में सड़कें, अस्पताल, पानी की व्यवस्था सभी मूलभूत सुविधाएं लोगों तक पहुंच रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आपने हिमाचल की सभी सीटें दी, दोबारा प्रधानमंत्री बनाया। शाह ने कहा, कांग्रेस पार्टी में मां-बेटे के अलावा कोई दिखाई पड़ता है। जब मां-बेटे को ही पार्टी चलानी है तो मेरे युवा साथियों, आपकी जगह कहां रहेगी। भारतीय जनता पार्टी का शासन देश और दुनिया में सम्मान बढ़ाने के लिए है। देश के गरीबों का जीवन स्तर ऊपर उठाने के लिए है। भारत के गौरव को बढ़ाने के लिए और विकास करने के लिए है। उन्होंने कहा, जवान 'वन रैंक वन पेंशन' की मांग करते थे, कांग्रेस सरकार यह नहीं देती थी, तो 2014 में प्रधानमंत्री बनने पर नरेन्द्र मोदी ने 'वन रैंक वन पेंशन' लागू कर 40 साल पुराना मसला समाप्त कर दिया। कोरोना काल के दौरान देश के 80 करोड़ लोगों को प्रति व्यक्ति प्रति माह मुफ्त राशन देने का काम श्री मोदी ने किया है। अस्सी करोड़ लोगों को राशन पहुंचाने वाली दुनिया में अगर कोई एकमात्र सरकार है तो वह भाजपा सरकार है। कांग्रेस के लिए हिमाचल टूरिस्ट स्पॉट है। श्री मोदी के लिए हिमाचल कर्मभूमि है।

शार्ट न्यूज

सूचना एवं प्रचार निदेशालय, दिल्ली सरकार में सेवानिवृत्त होने पर संत राम को सम्मान पूर्वक विदाई दी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के विभाग सूचना एवं प्रचार निदेशालय में कार्यरत सरकारी कर्मचारी संत राम का दिनांक 31-10-2022 को सेवा निवृत होने पर कार्यालय के अधिकारियो द्वारा पुष्पमालाओ से सम्मान किया गया और उनके परिवार से आये हुए सदस्यों का स्वागत किया. कार्यक्रम में अधिकारियो ने श्री संत राम जी के ईमानदारी, समय के पाबंद व मेहनती होने पर प्रशंसा की और उनके स्वस्थ रहने की कामना की. इस अवसर पर कार्यालय के अधिकारीगण - कार्यालय प्रमुख, लेखा अधिकारी, संपादक, कार्यलय अध्यक्ष व सूचना अधिकारी तथा कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीयू छात्रा मर्डर केस : हाईकोर्ट ने पलटा निचली अदालत का फैसला, उम्रकैद की सजा पाए 3 लोग बरी

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने वर्ष 2009 में दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा की हत्या के मामले में तीन आरोपियों को बरी कर दिया, जबकि निचली अदालत ने उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने हत्या के मामले में वर्ष 2009 में गिरफ्तार आरोपियों को रिहा करने का भी आदेश दिया। तीनों आरोपियों को सितंबर 2009 में दिल्ली विश्वविद्यालय की 21 वर्षीय छात्रा निकिता सिंह की सिर में गोली मारकर की गई थी। हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था। निकिता सिंह का शव मुंडका गांव के फार्म हाउस में पॉलिथीन बैग में मिला था। हत्या को तब अंजाम दिया गया था, जब वह कॉलेज से घर लौट रही थी। जस्टिस मुक्ता गुप्ता और जस्टिस अनीश दयाल की बेंच ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिसके आधार पर तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया जाए। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा वर्ष 2020 में उन्हें सुनाई गई सजा रद्द कर दी। अदालत ने वरिष्ठ वकील प्रमोद कुमार दुबे द्वारा दायर यशू, विनीत और सुनील कुमार की अपील स्वीकार कर ली जिसमें उन्होंने निचली अदालत द्वारा हत्या का दोषी करार दिए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। अदालत ने यह फैसला 31 अक्टूबर को सुनाया। बेंच ने कहा कि हत्या का मकसद और मूलभूत तथ्यों के बारे में कोई सबूत नहीं है और पीड़िता के पिता के केवल एक बयान के संबंध में एक आरोपी के साथ पारिवारिक विवाद था, बिना किसी और पुष्टि के विश्वसनीय नहीं माना जा सकता।

ब्लड बैंक में लगने के बाद एक दिन भी शुरू नहीं हुई हेल्थ एटीएम

गाजियाबाद। जिला एमएमजी अस्पताल के ब्लड बैंक में हेल्थ एटीएम को लगे हुए 15 दिन हो चुके हैं। लेकिन अभी तक स्टॉफ को ट्रेनिंग तक नहीं दी गई है। इसकी वजह से मशीन धूल फांक रही है और 15 दिन में हेल्थ एटीएम का स्विच ऑन भी नहीं किया गया है। अभी तक ब्लड शुगर और हीमोग्लोबिन की जांच के स्टिक की खरीददारी भी नहीं की जा सकी हैं। जनपद में सात स्वास्थ्य केंद्रों पर हेल्थ एटीएम लगाई गई हैं। संयुक्त अस्पताल के ईसीजी कमरे और एमएमजी अस्पताल में ब्लड बैंक में हेल्थ एटीएम मशीन लगाई गई हैं। सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर हेल्थ एटीएम में लगने वाली ग्लूको स्टिक और हीमोग्लोबिन जांच की स्टिक खत्म हो गई है। निजी कंपनी के सीआरएस फंड से मिली हेल्थ एटीएम की कीमत 3.68 लाख रुपए हैं। इतनी महंगी मशीन होने के बाद भी जांच स्टिक के सैंपल के तौर पर 50 दी गई थी। जो टेस्टिंग में ही खत्म हो गई। अस्पतालों को दुविधा यह है कि स्टिक की खरीद किस फंड से करें। स्टिक खत्म होने से फिलहाल मरीजों को इंस्टेंट जांचों का लाभ नहीं मिल रहा है। फिलहाल मशीन बंद पड़ी हैं।

खुदाई के दौरान मिट्टी ढहने से मजदूर दबा

गुरुग्राम। निर्माणाधीन मकान के बेसमेंट की मिट्टी ढहने से मंगलवार शाम को एक मजदूर नीचे दब गया, जबकि दो मजदूर बाल-बाल बच गए। एक घंटे की मशक्कत के बाद गंभीर हालत में मजदूर को बाहर निकाला गया। उसे पास के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इस मामले में पुलिस को अभी शिकायत नहीं मिली है। जानकारी के अनुसार सेक्टर-39 में एक मकान में बेसमेंट की खुदाई की जा रही थी। खुदाई के दौरान मंगलवार शाम को अचानक मिट्टी ढह गई। इसमें एक मजदूर नीचे दब गया और और पास में काम कर रहे दो मजदूर बाल-बाल बच गए। घटना की जानकारी मजदूरों ने मकान मालिक को दी। मकान मालिक की सूचना पर सदर थाना पुलिस और झाड़सा पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। कुछ समय बाद फायर ब्रिगेड भी पहुंच गई। उससे पहले ही आसपास के लोगों की मदद से पुलिस ने मिट्टी में दबे मजदूर को बाहर निकाल लिया। सदर थाना प्रभारी वेद प्रकाश ने बताया कि मजदूर को बाहर निकालने के बाद अस्पताल में लेकर गए, जहां पर उसकी हालत में सुधार है।

सिम हैक कर खाते से 1.13 लाख रुपये निकाले

गुरुग्राम। जालसाज ने पीड़ित का सिम नंबर हैक कर खाते से दो बार में 1.13 लाख रुपये निकाल लिए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-56 निवासी केपीएस रघुवंशी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 28 सितंबर 2022 शाम को उनके फोन के सिम कार्ड को जालसाज ने हैक कर लिया। उसके बाद ओटीपी की मदद से बैंक खाते से दो बार में 1.13 लाख रुपये निकाले गए। कुछ देर तक फोन में हलचल नहीं होने पर देखा तो पता चला कि हैक कर लिया गया है। ओटीपी का मैसेज भी उनके पास नहीं आया। जांच अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी है। कार बुकिंग करने के नाम पर 61 हजार रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-52 निवासी आकाश शुक्ला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह उन्हें बाहर जाना था। कार बुकिंग को लेकर एक युवक से बातचीत हुई। उसने पैसे भेजने के लिए लिंक भेजा। उस पर क्लिक करते ही खाते से 61 हजार रुपये निकल गए।

ट्रक से कैंटर टकराया, चालक की मौत

गुरुग्राम। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर इफ्को चौक के पास बिना पार्किंग सेंसर के खड़े ट्रक से कैंटर की टक्कर हो गई। कैंटर चालक इसमें फंस गया। कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकालकर निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां चालक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के दोस्त की शिकायत पर डीएलएफ फेज-दो थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा निवासी विपिन कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पूजा लॉजिस्टिक कंपनी में चालक है। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर को वह और उसके दोस्त संजय अपने-अपने कैंटर से सामान खाली करने के बाद जयपुर की ओर जा रहे थे। संजय टैंकर लेकर आगे चल रहे थे, जबकि वह पीछे थे। सुबह साढ़े बजे पांच बजे इफ्को चौक के पास ट्रक बिना पार्किंग सेंसर के खड़ा हुआ था।

एंटी डस्ट अभियान के तहत मंत्री गोपाल राय ने किया औचक निरीक्षण

एलएंडटी पर लगाया पांच लाख का जुर्माना

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। एंटी डस्ट अभियान के तहत आज पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एलएंडटी पर पांच लाख का जुर्माना लगाया। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि निरीक्षण के दौरान एलएंडटी द्वारा भाजपा निर्माणाधीन कार्यालय स्थल पर भारी अनियमितताएं पायी गईं। दिल्ली में निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध के बावजूद निर्माण कार्य चल रहा था। ऐसे में डीपीसीसी को निर्माण कार्य बंद करने एवं 5 लाख जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। दिल्ली में प्रदूषण को रोकने के लिए दिल्ली सरकार सक्रीय रूप से काम कर रही है। सरकार का 10 कामों पर विशेष फोकस है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज आईटीओ के पास यूआईडीएआई निर्माण स्थल पर निरीक्षण के लिए पहुंचे। उन्होंने पाया कि वहां निर्माण कार्य बंद है। इस बात नोटिस भी लगा रखा है। वहां एक दूसरी साईट पर किसी दूसरे विभाग का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसके लिए उन्होंने नोटिस देने की बात कही। निरीक्षण के दौरान के पर्यावरण मंत्री ने एलएंडटी की साइट पर 5 लाख रूपए का जुर्माना लगाया। इसके साथ ही तुंरत कार्य बंद करने के निर्देश दिए। गोपाल राय ने बताया कि एलएंडटी की साईट पर चोरी छुपे पत्थर कटाई का कार्य चल रहा था। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली में ग्रेप के तीसरे चरण को लागू किया गया है। उसी के तहत दिल्ली में निर्माण एवं विध्वंस की गतिविधि पर रोक लगा दी गई है। पूरी दिल्ली में 500 से ज्यादा टीमें निगरानी में लगी हुई हैं। इससे की कोई भी चोरी-छिपे निर्माण एवं विध्वंस के कार्य न कर सके।

गोपाल राय ने बताया कि सीक्यूएएम के आदेशानुसार कुछ विभागों/एजेंसियों को निर्माण एवं विध्वंस की अनुमति दी गई है। उन्हें सख्त आदेश दिया गया है कि वे निर्माण एवं विध्वंस से संबंधित जो दिशा-निर्देश हैं उनका कड़ाई से पालन करें। अन्यथा उनके कार्य को रोक दिया जाएगा। वह आगे भी ऐसे निर्माण/विध्वंस स्थलों का निरीक्षण करते रहेंगें। जिनको निर्माण कार्य की अनुमति मिली हुई है। यदि वहां निर्माण/विध्वंस से संबंधित नियमों का पूरी तरह पालन नहीं होता है तो उसे बंद कर दिया जाएगा।

गोपाल राय ने कहा कि 1 नवंबर से दिल्ली के प्रदूषण में बढ़ोतरी का अनुमान था। लेकिन वह अभी भी वेरी पूअर की कैटेगरी में बना हुआ है। सरकार 10 प्वांइट पर फोकस करके प्रदूषण को कम करने का प्रयास कर रही है। दिल्ली के लोगों से आग्रह किया कि अगर वे सभी मिलकर सरकार का सहयोग करें तो हम दिल्ली के प्रदूषण को कम करने में सफल हो सकते हैं।

हवालात से हिस्ट्रीशीटर की वीडियो कॉल मामले में पुलिस पर गिरी गाज, 3 सिपाही सस्पेंड

गाजियाबाद । गाजियाबाद के मोदीनगर की छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद आरोपी द्वारा कचहरी की हवालात के अंदर वीडियो कॉल करने के मामले में तीन पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में एसएसपी ने बंदी निगरानी ड्यूटी पर तैनात दो हेड कॉन्स्टेबल और एक कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही तीनों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। मोदीनगर निवासी छात्रा ने पिछले साल थाना रमाला, बागपत के गांव कंडेरा निवासी विशु तोमर के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। साथ ही उसकी पत्नी, मां और अन्य रिश्तेदारों को भी आरोपी बनाया है। इस मामले में विशु करीब नौ महीने से गाजियाबाद की डासना जेल में बंद है। हाल ही में उसका एक वीडियो वायरल हुआ, जिस पर डासना जेल लिखा हुआ था। मामला संज्ञान में आने पर पुलिस और जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जेल अधीक्षक आलोक सिंह ने जांच की तो सामने आया कि यह वीडियो जेल का नहीं, बल्कि कचहरी परिसर स्थित पुलिस लॉकअप का है। एसएसपी ने मामले की जांच एसपी ग्रामीण डॉ. ईरज राजा को सौंपी थी। एसपी ग्रामीण ने जांच में पाया कि 21 अक्टूबर को विशु तोमर कचहरी में पेशी पर आया था। उस दिन सदर हवालात पर हेड कॉन्स्टेबल फिरोज मेहंदी, ऋषि कुमार तथा कॉन्स्टेबल सरफराज की निगरानी ड्यूटी लगी थी। तीनों की मौजूदगी में विशु ने मोबाइल का इस्तेमाल कर अपने दोस्त रौनक से इंस्टाग्राम पर वीडियो कॉल की थी। इस घटना में तीनों पुलिसकर्मियों की लापरवाही दर्शाते हुए एसएसपी को रिपोर्ट भेजी गई, जिसके आधार पर तीनों को सस्पेंड कर दिया गया। एसपी ग्रामीण का कहना है कि तीनों पुलिसकर्मियों ने रेप के आरोपी को हवालात में मोबाइल न देने की बात कही है। वहीं, विशु ने भी किसी व्यक्ति से मोबाइल लेकर वीडियो कॉल करने की बात कही। इसी के चलते अभी तक यह पता नहीं लग सका है कि मोबाइल फोन किसका था और उसे हवालात में विशु तक किसने पहुंचाया था।

पत्नी को डराने के लिए खुद के अपहरण की साजिश रची

ट्रांस हिंडन। साहिबाबाद पुलिस ने खुद के अपहरण की साजिश रचने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि युवक के भाई को पूरे मामले की जानकारी होने के बाद भी पुलिस को उसने गुमराह किया इसलिए उसे भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के मुताबिक युवक के किसी अन्य महिला से संबंध थे। अपनी पत्नी को डराने के लिए युवक ने खुद के अपहरण का नाटक किया।

रविवार को साहिबाबाद के जवाहर पार्क निवासी विकास ने अपनी मां को फोन कर बताया कि उनका चार लोगों ने अपहरण कर लिया है। बेटे के अपहरण की सूचना मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। विकास के पिता रामबली महतो ने साहिबाबाद थाने में उसके अपहरण का केस दर्ज कराया। पुलिस ने जांच के दौरान इलेक्ट्रोनिक सर्विलांस के जरिए विकास का पता लगाकर उसे बरामद कर लिया। मंगलवार को प्रेस वार्ता कर एसपी ट्रांस हिंडन ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया कि विकास का अपनी शादी से पूर्व से ही दिल्ली की एक महिला से प्रेम संबंध था। दस दिन पूर्व विकास के प्रेम संबंध की जानकारी उसकी पत्नी को हो गई।

हर घर संपर्क यात्रा की बदरपुर के मोलडबंद में हुई शुरुआत

बिधूड़ी ने घर-घर जाकर लोगों से की मुलाकात

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भाजपा द्वारा मंगलवार को दिल्ली में 'हर घर संपर्क यात्रा अभियान शुरू किया गया। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बदरपुर के मोलडबंद से इस अभियान की शुरुआत की। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया।

इस अभियान के अंतर्गत बिधूड़ी मोलडबंद इलाके की गलियों और बाजारों में लोगों से मिले। इस दौरान भाजपा के स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी उनके साथ थे। लोगों को घर-घर जाकर मोदी जी की सरकार द्वारा पिछले आठ सालों में किए गए विकास एवं जन कल्याणकारी कार्यों की दी जानकारी दी गई।

लोगों को बताया गया कि केंद्र सरकार ने दिल्ली को बहुत-सी सौगातें दी हैं जिनमें बदरपुर में 885 एकड़ जमीन पर विश्व का सबसे बड़ा इको पार्क बनने जा रहा है जो दिल्ली की लाइफ लाइन बनेगा। हाल ही में डीटीसी के बेड़े में शामिल इलेक्ट्रिक बसें भी केंद्र सरकार ने ही दिल्ली को दी हैं।

इसके अलावा दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने कई योजनाएं दी हैं जिनमें पेरिफेरियल रोड बनाकर ट्रकों की एंट्री पर अंकुश, 12 डायवरसिटी पार्क, यमुना के किनारों का सौंदर्यीकरण और औद्योगिक क्षेत्रों में सर्विस सेक्टर को बढ़ावा देना शामिल है।

इसके अलावा विकास योजनाओं में दिल्ली से मेरठ, दिल्ली से मुंबई और दिल्ली से सहारनपुर तक के हाईवे और धौलाकुआं, वसंत कुंज और नरेला में फ्लाईओवरों का निर्माण बड़ी परियोजनाएं दिल्ली को केंद्र सरकार की ही देन हैं।

नेशनल वार मेमोरियल का निर्माण करके सेनिकों की एक पुरानी मांग को पूरा किया है। दिल्ली की 72 लाख जनता को मुफ्त राशन, अनधिकृत कॉलोनियों के लोगों को मालिकाना हक और 50 हजार दुकानों को फ्रीहोल्ड करना जनता के लिए कल्याणकारी योजनाएं दी हैं।

कोरोनाकाल में भी दिल्ली को बेड, दवाइयां, ऑक्सीजन और मेडिकल व पेरामेडिकल स्टाफ मुहैया कराकर संकट से उबारने का प्रयास केंद्र सरकार ने ही किया।

उसके बाद मुफ्त वेक्सीन से कोरोना के खिलाफ निर्णायक जंग केंद्र सरकार के प्रयासों से ही लड़ी गई। हाल ही में नगर निगम ने समृद्धि योजना की घोषणा करके बकाया प्रॉपर्टी टैक्स के जंजाल से लोगों को मुक्त कराया है।

आशा है कि दिल्ली सरकार खाद्य सुरक्षा कानून को सही मायने में लागू करेगी : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को कहा कि पर्याप्त पोषण का उचित वितरण राज्य का एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी कार्य है और उसे उम्मीद और विश्वास है कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 को सही मायने में लागू करेगी। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि एनएफएसए लाभार्थियों को किफायती और पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराने के लिए एक कल्याणकारी कानून है और इसे पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए।

अदालत की यह टिप्पणी दिल्ली रोजी रोटी अधिकार अभियान द्वारा दायर एक अवमानना याचिका पर आई है, जिसमें आधार की आवश्यकता के बिना या इसके प्रमाणीकरण से गुजरे बिना एनएफएसए के तहत पात्र लाभार्थियों को खाद्यान्न वितरण से संबंधित एक जनहित याचिका पर पारित एक आदेश के संबंध में दायर किया गया था।

एनजीओ ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के अधिकारी 2017 के एक अदालत के आदेश का जानबूझकर पालन नहीं कर रहे हैं, जिसमें दिल्ली सरकार से अधिनियम के कार्यान्वयन के संबंध में उसके द्वारा उठाए गए कदमों पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया था।

कोर्ट ने कहा कि उसने मामले के अनुपालन के संबंध में जिस तरह से अधिकारी आगे बढ़ रहे थे, उस पर कई मौकों पर अपना असंतोष व्यक्त किया, लेकिन अदालत की अवमानना का कोई मामला नहीं था और दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को दर्शाने वाले हलफनामे से, यह राय थी कि आदेश का पालन करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। कई मौकों पर, इस अदालत ने इस अदालत द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में प्रतिवादी जिस तरह से आगे बढ़ रहे थे, उस पर अपना असंतोष व्यक्त किया है। एक बार फिर, यह अदालत उम्मीद और विश्वास करती है कि दिल्ली सरकार एनएफएसए 2013 को सही मायने में लागू करेगी। बेंच ने 28 अक्टूबर को अपने आदेश में जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद को भी शामिल किया।

बेंच ने कहा कि एनएफएसए, 2013 एक कल्याणकारी कानून है जो पात्र लाभार्थियों के लिए किफायती और पर्याप्त भोजन प्रदान करने के लिए बनाया गया है। पर्याप्त पोषण का उचित वितरण राज्य का एक उचित कल्याणकारी कार्य है और इसे इच्छित लाभ के लिए पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। हालांकि, कल्पना के किसी भी खिंचाव से यह नहीं माना जा सकता है कि इस अदालत के दिनांक 01.09.2017 के आदेश की जानबूझकर अवज्ञा की गई है, जिससे अदालत की अवमानना का मामला बनता है।

डंपिंग यार्ड के बजट को शासन ने दी मंजूरी

गाजियाबाद। परिवहन विभाग के डंपिंग यार्ड के बनने का रास्ता साफ हो गया है। शासन ने यार्ड के लिए 38 लाख के बजट को मंजूरी दे दी है। इस संबंध में शासन की ओर से सोमवार शाम को परिवहन आयुक्त को स्वीकृति का पत्र भी जारी कर दिया गया। 10 से 15 साल पुराने वाहनों को सड़क से हटाने के लिए गाजियाबाद में डंपिंग यार्ड बनना है। नगर निगम ने बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में बियर फैक्टरी के पास 10141.58 वर्ग मीटर भूमि परिवहन विभाग को उपलब्ध करा दी है। इस भूमि को समतल करने, चारदीवारी कराने, तारों की फेंसिंग और गार्ड रूम बनाया जाना हैं। यह पूरा काम नगर निगम को करना है और नगर निगम ने इसकी अनुमानित कीमत 38,27,120 रुपए बताई है। परिवहन विभाग ने 22 सितंबर 2022 को शासन से मांग की थी। लेकिन सोमवार को शासन ने परिवहन विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

महापौर के विकास कार्यों की बुकलेट पर पार्षदों ने सवाल उठाए

गाजियाबाद। महापौर आशा शर्मा ने साढ़े चार साल के कार्यकाल में कराए विकास कार्यों की बुकलेट छपवाई है। बुकलेट सभी 100 पार्षदों को दी जानी है। महापौर ने उन कार्यों को भी अपने खाते में जोड़ लिया जिनका अभी तक काम शुरू नहीं हो सका। हालांकि महापौर की तरफ से दावा किया जा रहा है कि जो कार्य अभी शुरू नहीं हो सके उनके वर्क ऑर्डर जारी हो गए हैं। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यह काम उनके कार्यकाल में गिना जाएगा। लेकिन विकास कार्य शुरू नहीं होने से पार्षद नाराज हैं। पार्षद अजय शर्मा का कहना है कि उनके वार्ड-67 में चारदीवारी के निर्माण और सौंदर्यीकरण पर 18 लाख बुकलेट में खर्च होने बताए हैं। जबकि हकीकत में चारदीवारी बदहाल है। विजयनगर जोनल कार्यालय का निर्माण एक करोड़ से ज्यादा की राशि में पूरा होने की बात कही है। मौजूदा समय में जोनल कार्यालय बदहाल है। पार्षद जाकिर सैफी का कहना है बोर्ड बैठक में जो प्रस्ताव पास हो गए थे। उनमें कुछ में आज तक काम शुरू नहीं हुआ है।

छात्रा को नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर होटल में किया दुष्कर्म, हिन्दू संगठनों ने किया हंगामा

मोदीनगर। गाजियाबाद जिले के मोदीनगर में 17 वर्षीय लड़की को कथित तौर पर अगवा कर होटल में ले जाकर नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता कक्षा 11वीं की छात्रा है। आरोपी युवक दूसरे समुदाय से संबंध रखता है। घटना की खबर मिलते ही हिंदू संगठनों के लोगों ने मौके पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया। अलग-अलग समुदाय का मामला होने के कारण तनाव बना हुआ है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मोदीनगर की एक कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति परिवार सहित रहते हैं। उनकी 17 वर्षीय बेटी ग्यारहवीं क्लास की छात्रा है। सोमवार सुबह छात्रा स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला एक युवक रास्ते से छात्रा को बहला फुसलाकर अपने साथ होटल में ले गया। वहां उसने छात्रा को नशीला पदार्थ पिलाकर होटल के कमरे में जबर्दस्ती दुष्कर्म किया। दुष्कर्म का विरोध करने पर उसने छात्रा को मारपीट कर घायल कर दिया।

गाजियाबाद में 50 हजार के इनामी को गोली लगी, गिरफ्तार

उद्यमी के घर दिनदहाड़े डकैती डाली थी, उत्तराखंड में दर्ज हैं 15 मुकदमे

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद में बुधवार को दिन निकलने से पहले ही पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें 50 हजार रुपए का इनामी बदमाश सुधीर शर्मा पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उद्यमी के घर हुई डकैती में वो वांटेड चल रहा था। पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया है। सीओ अंशु जैन ने बताया, जनपदीय स्वाट टीम और सिहानी गेट थाने की पुलिस बुधवार तड़के करीब 4 बजे हमदर्द चौराहे के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान सफेद रंग की मोटरसाइकिल सवार शख्स को रुकने का इशारा किया। इस व्यक्ति ने मोटरसाइकिल नहीं रोकी और फरार हो गया। तुरंत वायरलैस पर शहरभर की पुलिस को अलर्ट किया गया। पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो बाइक सवार शख्स ने फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जो बदमाश के पैर में जा लगी। उसकी पहचान सुधीर शर्मा के रूप में हुई। सुधीर ग्रेटर नोएडा में सूरजपुर थाना क्षेत्र के गांव बिरौड़ी का रहने वाला है।

उसके ऊपर गाजियाबाद पुलिस से डकैती के मामले में 50 हजार रुपए का इनाम रखा गया था। सुधीर शर्मा के खिलाफ उत्तराखंड में करीब 15 मुकदमे दर्ज हैं। एनकाउंटर में हेड कॉन्स्टेबल इरफान की दाहिनी बाजू में भी गोली लगी है। सिहानी गेट थाना क्षेत्र के नेहरूनगर थर्ड में उद्यमी रमन सरीन के घर में 7 अक्टूबर को डकैती डाली गई थी।

बदमाशों ने मां-बेटी के मुंह पर टेप लगाकर करीब 24 लाख रुपए के नगदी-जेवरात लूट लिए थे। वे रमन सरीन के ऑफिस कर्मचारी बनकर घर में घुसे थे। इस मामले में गाजियाबाद पुलिस ने 12 अक्टूबर को छह बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था।

अमित मालवीय का बड़ा आरोप

सत्येंद्र जैन ने ठग सुकेश चंद्रशेखर से वसूली 10 करोड़ की प्रोटेक्शन मनी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अमित मालवीय ने तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा नेता अमित मालवीय ने आरोप लगाया है कि केजरीवाल सरकार के मंत्री ने ठग सुकेश चंद्रशेखर से 10 करोड़ रुपये की प्रोटेक्शन मनी ली है। एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए अमित मालवीय ने कहा कि तिहाड़ जेल में ठग सुकेश चंद्रशेखर की सुरक्षा के लिए 10 करोड़ रुपये लिए। बताया जा रहा है कि सुकेश चंद्रशेखर की तरफ से उसके वकील ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र सौंपा है। इस पत्र में कहा गया है कि उसे कई बार धमकियां दी गई हैं। ठग ने अपनी चिट्ठी में कहा है कि उसने तिहाड़ में प्रोटेक्शन मनी दी है। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में सत्येंद्र जैन खुद भी तिहाड़ जेल में बंद हैं। सत्येंद्र जैन दिल्ली सरकार में जेल मंत्री भी हैं। सुकेश चंद्रशेखर का कहना है कि डीजी जेल से उसे धमकी दिलवाई गई थी।

एक ठग के इन आरोपों के बाद दिल्ली में भूचाल आ गया है। सुकेश चंद्रशेखर का कहना है कि उसने कोलकाता में मंत्री के एक सहयोगी को पैसे दिये हैं। सुकेश का कहना है कि उससे 10 करोड़ रुपये तिहाड़ में प्रोटेक्शन मनी मांगी गई थी जिसके बाद यह पैसे दिये गये हैं। जिस मीडिया रिपोर्ट का हवाला भाजपा नेता ने दिया है उसमें कहा गया है कि एलजी वीके सक्सेना को लिखे पत्र में सुकेश चंद्रशेखर की तरफ से कहा गया है कि वो आप नेता को साल 2015 से जानता है। इस खत में आगे यह भी कहा गया है कि उसने दक्षिण भारत में आम आदमी पार्टी में एक अहम पद दिये जाने के वादे के बाद 50 करोड़ रुपये दिये थे। सुकेश ने कहा, %साल 2017 में मेरी गिरफ्तारी के बाद मैं तिहाड़ जेल में कैद था और सत्येंद्र जैन कई बार आए। उनके सचिव ने मुझे 2 करोड़ रुपये प्रतिमाह प्रोटेक्शन मनी के तौर पर देने के लिए कहा था। बताया जा रहा है कि यह खत चंद्रशेखर ने अपने हाथ से लिखा है जिसे एलजी को भेजा गया है। चंद्रशेखर फिलहाल दिल्ली के मंडोली जेल में बंद है। ठग सुकेश चंद्रशेखर पर कई हाई प्रोफाइल लोगों से पैसे वसूलने का आरोप है। इसी साल अगस्त के महीने में सुकेश को तिहाड़ से मंडोली जेल में शिफ्ट किया गया था।

ग्रेटर नोएडा में 70 लाख रुपए की शराब कराई नष्ट

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में माल खाने में लंबे समय से रखी हुई शराब को नष्ट किया गया है। थाना कासना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आबकारी अधिनियम से संबंधित पिछले कई सालों से थाना कासना पर पड़ी अवैध शराब को मंगलवार को नष्ट कर दिया। इस शराब की कीमत करीब 70 लाख 95 हजार रुपये बताई जा रही है। मंगलवार को थाना कासना पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा पकड़ी गई शराब को माल खाने से निकलवाकर नष्ट किया गया है। यह शराब लंबे समय से माल खाने में पड़ी हुई थी। न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन एफटीसी- 02 के आदेश पर आबकारी अधिनियम से संबंधित कई सालों से थाना कासना पर लंबित पड़ी करीब 24,652 लीटर अवैध शराब को नष्ट कराया गया। पुलिस के अनुसार यह शराब 2018 से मालखाने में पड़ी थी। जिसमें 2018 के 40 माल, 2019 के 19 माल, 2020 के 29 माल, 2021 के 43 माल, 2022 के 10 माल समेत 141 माल था। जेसीबी से गड्ढा खुदवाने के बाद नष्ट माल को उसमें दबा दिया गया। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि नियमानुसार लंबे समय से माल खाने में पड़ी हुई शराब को नष्ट किया गया है। शराब की कीमत करीब 70 लाख रुपये थी। जिले में शराब तस्करी को लेकर पुलिस और आबकारी विभाग कार्रवाई कर रहा है। पिछले एक वर्ष में पुलिस और आबकारी विभाग ने बड़ी मात्रा में अवैध शराब पकड़ी है। अभी भी यह कार्रवाई जारी है।

संपादकीय

साइबर खतरा

तकनीक ने लोगों की जिंदगी को जितना आसान और सुविधाजनक बनाया है, उसी अनुपात में जोखिम भी पैदा किए हैं।

साइबर फ्रॉड ग्राहक फिशिंग लिंक के जरिए ग्राहकों के पर्सनल डेटा की जानकारी ले रहे हैं। आज हालत यह हो चुकी है कि एक ओर व्यक्ति, उसकी निजी जानकारियां और सार्वजनिक गतिविधियां साइबर तंत्र के तहत ब्योरों और आंकड़ों में दर्ज होने लगी है, तो दूसरी ओर इन आंकड़ों तक कुछ अवांछित समूहों या लोगों की पहुंच हो जाती है और वे उसका इस्तेमाल आपराधिक तौर पर भी अपने मुनाफे के लिए करने लगते हैं। तकनीक पर निर्भरता के समांतर इसके बेजा इस्तेमाल के मामले भी तेजी से बढ़ने लगे हैं।

भारत में अभी आंकड़ों की सुरक्षा की दीवार बहुत मजबूत नहीं है, इसलिए यहां साइबर खतरे का दायरा बड़ा होता जा रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है कि दूसरे विकसित देश ऐसे जोखिम से पूरी तरह सुरक्षित हैं। बीते हफ्ते शुक्रवार को इनर्जी आस्ट्रेलिया में हुई आंकड़ों की चोरी उन घटनाओं की महज एक कड़ी है, जिनमें सिर्फ बीते एक महीने के दौरान आस्ट्रेलिया के सात प्रमुख व्यवसाय आंकड़ों की सेंधमारी से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या ने दुनिया भर में यह चिंता पैदा की है कि आधुनिक होती तकनीकी की दुनिया में डेटा की चोरी क्या एक बड़ी चुनौती बनने जा रही है!

दरअसल, आंकड़ों में सेंधमारी की लगातार बढ़ती घटनाएं दुनिया भर में गैरकानूनी तौर पर चल रहे समूहों या कंपनियों के जरिए अंजाम दी जा रही हैं जो लोगों का डेटा हासिल करके उनका सौदा करती हैं। पहले वे अपनी जरूरत के लक्षित तबकों के आंकड़ों में सेंध लगाती हैं, फिर उन्हें अन्य साइबर अपराधियों को बेच देती हैं। हालांकि इस तरह आंकड़ों में सेंधमारी करने वाले लोग आज विस्तृत साइबर अपराध के बड़े संजाल का एक छोटा-सा हिस्सा भर हैं।

मुश्किल यह है कि अगर दुनिया भर में इस अपराध से निपटने के लिए कोई ज्यादा सक्षम और उपयोगी तरीका और तंत्र विकसित नहीं किया जाता है तो यह चुनौती किसी एक देश या वहां के नागरिकों के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया के एक बड़े हिस्से के लिए एक बड़ा खतरा बन जाएगी। यह छिपा नहीं है कि पिछले कुछ समय से आनलाइन अपराध खासतौर पर आंकड़ों की चोरी के मामले में तेजी से अपने पांव फैलाता जा रहा है और इसके सहारे बड़े साइबर हमलों को अंजाम देने की कोशिश की जा रही है।

गौरतलब है कि साइबर अपराधों की दुनिया में आंकड़ों की चोरी के जरिए मुख्य रूप से बड़ी फिरौती हासिल करने की कोशिश की जाती है। तकनीकी दक्षता के साथ किसी व्यक्ति या फिर कंपनी के उपकरण या उसकी कंप्यूटर और इंटरनेट व्यवस्था को पूरी तरह ठप कर दिया जाता है और इसके बदले फिरौती वसूली जाती है। यह साइबर अपराधों की दुनिया में ज्यादा परिष्कृत तरीके के फैलता जाल है।

ज्यादातर आम लोग तकनीक का इस्तेमाल तो करते हैं, मगर आमतौर पर उनके पास इसके सुरक्षित उपयोग का प्रशिक्षण नहीं होता है। तकनीकी के विकास की रफ्तार इतनी तेज है कि जब एक यंत्र या उसके स्वरूप के साथ कोई व्यक्ति अभ्यस्त होने लगता है, तब तक कोई नई या बदली हुई तकनीक आ जाती है।

जरूरत इस बात की है कि आधुनिक तकनीकी के फैलते दायरे को अगर एक व्यवस्था के तौर पर स्वीकृत किया गया है तो हर स्तर पर इसके उपयोगकर्ताओं और आम लोगों के आंकड़ों या डोटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकारें जरूरी कदम उठाएं। वरना यह आम लोगों के साथ खुद सरकारों के लिए भी एक बड़ा जोखिम पैदा करेगा।

हादसों से सबक

कोई भी हादसा, जिसमें किसी की जान जाती है, मानवता और उसकी ताकत-तरक्की पर प्रश्नचिह्न लगा जाता है। गुजरात के मोरबी शहर में केबल पुल टूटने की वजह से 140 से ज्यादा लोगों का काल के गाल में समा जाना पूरे देश को झकझोर गया है। उधर, दक्षिण कोरिया में हैलोवीन उत्सव पर एक संकरी गली में मची भगदड़ ने 150 से ज्यादा लोगों को अपना ग्रास बना लिया है। अब यह अफसोस ही है कि दुनिया में ऐसे हादसों से हम बच सकते थे। जब हम पड़ताल करेंगे, तो कदम-कदम पर लापरवाही की उतरती सीढ़ियां नजर आएंगी। यह निस्संदेह गहरी संवेदना जताने का समय है, जिन लोगों ने अपने परिजन खोए हैं, उनके साथ हर तरह से खड़े होने का समय है। हम गौर करें, तो पाएंगे कि कदम-कदम पर लापरवाहियों ने ऐसा जाल बुना कि मानवता लहूलुहान हो गई। अब यह हादसा भुलाए न भूलेगा।

यह जानकर आश्चर्य होता है कि 142 साल से भी ज्यादा पुराने इस पुल के जीर्णोद्धार का काम घड़ी बनाने वाली एक कंपनी को दिया गया था। क्या ऐसे केबल पुलों का जीर्णोद्धार करने वाली विशेषज्ञ कंपनियां अपने देश में नहीं हैं, अगर अपने देश में किसी कंपनी के पास फुरसत न थी, तो किसी विशेषज्ञ विदेशी कंपनी को भी यह काम दिया जा सकता था। अपनी पसंद के आधार पर किसी भी कंपनी को ठेका देने का इधर जो चलन प्रभावी हुआ है, वह कितना घातक हो सकता है, मोरबी केबल पुल हादसा मिसाल है। अगर हम किसी भी कंपनी को किसी भी काम का ठेका देने लगे हैं, तो हम यह सुनिश्चित नहीं कर रहे हैं कि हमें विशेषज्ञ सेवाएं या सुविधाएं हासिल हों। ऐसे सवाल लंबे समय तक शासन-प्रशासन का पीछा करेंगे कि पुल बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के कैसे खोला गया? मच्छू नदी पर बना यह केबल पुल लगभग सात महीने मरम्मत के लिए बंद रहा था। 26 अक्तूबर को गुजराती नववर्ष के मौके पर इसे फिर से खोला गया था। रविवार को पुल पर बेहिसाब भीड़ जुटी। बताते हैं कि 150 लोगों का भार सहने में सक्षम पुल पर चढ़ने के लिए पांच सौ लोगों का टिकट काट दिया गया। क्या कमाई के लोभ में पुल की वास्तविक ताकत को भुला दिया गया था? अनेक लोगों को इस हादसे के लिए गिरफ्तार किया गया है, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषियों के खिलाफ कोई नरमी न बरती जाए। भारतीय राजनीति में ऐसे हादसों पर भी राजनीति करने की परंपरा है, तो जाहिर है, मोरबी मामले में भी राजनीति होगी। गुजरात में सत्तारूढ़ भाजपा आज निशाने पर है, तो वह राजनीति न करने की नसीहत दूसरी पार्टियों को दे रही है।

मोरबी हो या दक्षिण कोरिया हादसे के लिए शासन-प्रशासन के जो भी अपराधी-लापरवाह तत्व जिम्मेदार हैं, उन्हें अगले हादसे की गुंजाइश पैदा करने के लिए खुला नहीं छोड़ना चाहिए। कॉरपोरेट और सरकारी महकमों में एक बड़ी जमात है, जिसने लापरवाही, कोताही को अपना बुनियादी स्वभाव बना लिया है। निस्संदेह तब मानवता रो रही होगी, जब दक्षिण कोरिया में महज चार मीटर चौड़ी गली में एक लाख से ज्यादा लोग घुस गए और भगदड़ मच गई। जिस हिसाब से दुनिया में आबादी बढ़ रही है, जिस मात्रा में भीड़ जुट रही है, हर जगह सतर्क रहने की जरूरत है। अब समय आ गया है कि सजग लोग किसी भी भीड़ का हिस्सा होने से बचें और अपने आसपास किसी भी हादसे की आशंका के विरुद्ध पुरजोर खड़े हो जाएं। लोगों की सजगता से ही शायद सरकारों की नींद खुलेगी।

धीमी गति से चलता न्याय का पहिया

-प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय न्याय वितरण प्रणाली तेजी से लंबित मामलों का बोझ बन गई है। नवीनतम राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड आंकड़ों के अनुसार, भारत में अदालतों में 2.74 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। न्याय का पहिया कितनी धीमी गति से चलता है, उसके समय और संसाधनों की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या को रोकने के समाधान पर चर्चा करते समय, अक्सर अदालती अवकाश का विषय सामने आता है। कम करने, और यहां तक कि छुट्टियों को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए भी आह्वान किया गया है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी जिसमें अदालतों द्वारा मनाई गई छुट्टियों की संख्या को कम करने की मांग की गई थी।

जैसा कि बार-बार कहा जा रहा है, पेंडेंसी एक बहुआयामी मुद्दा है, जिसके समाधान के लिए बड़ी संख्या में जुड़े मुद्दों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। क्या अदालती छुट्टियों को कम करने या समाप्त करने से लंबित आंकड़ों पर असर पड़ सकता है। तो, क्या अदालतों को वास्तव में छुट्टियों की ज़रूरत है? क्या पेंडेंसी दरों को कम करने के लिए अदालती छुट्टियों की संख्या कम कर दी जानी चाहिए? यदि छुट्टियों को समाप्त कर दिया जाए तो क्या पेंडेंसी दरों में भारी कमी आएगी? अधिकांश उच्च न्यायालय वर्ष में औसतन 200 दिन से थोड़ा अधिक कार्य करते हैं। इसका मतलब है कि अदालतें छुट्टियों, सप्ताहांत और राष्ट्रीय छुट्टियों के कारण औसतन लगभग 160 दिनों की छुट्टी का आनंद लेती हैं। सुप्रीम कोर्ट में उच्च न्यायालयों की तुलना में अधिक छुट्टियां हैं। ये संख्या, निश्चित रूप से, अवकाश पीठ की बैठकों को छोड़कर हैं।

ऊपर से साक्ष्य, और जैसा कि कानूनी बिरादरी के विभिन्न सदस्यों द्वारा बताया गया है, उच्च न्यायालयों में रिक्तियां किसी भी खिंचाव से लंबित आंकड़ों की मदद नहीं कर रही हैं। इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार जिम्मेदार है, लेकिन यह एक और दिन की कहानी है। 1958 का क़ानून बताता है कि अवकाश का अर्थ राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति से अनुसूचित जाति के नियमों द्वारा निर्धारित एक वर्ष के दौरान ऐसी अवधियों से है। अवकाश के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसरण किया जाने वाला वर्तमान नियम सर्वोच्च न्यायालय नियम, 2013 है और भारत के मुख्य न्यायाधीश हर साल छुट्टी के लिए अधिसूचना जारी करते हैं। वर्तमान में, सर्वोच्च न्यायालय में प्रति वर्ष 193 कार्य दिवस होते हैं, जबकि उच्च न्यायालयों में 210 दिन होते हैं।

क्या उच्च न्यायपालिका के लिए छुट्टियों की संस्कृति को बंद कर दिया जाना चाहिए? अवकाश की अवधारणा औपनिवेशिक नियमों से उत्पन्न हुई है।

उस समय न्यायाधीश इंग्लैंड से आए थे, भारत की तुलना में ठंडी जगह और भारत की गर्मी उनके लिए असहनीय थी। अदालतों और स्कूलों को छोड़कर देश में कोई भी सरकारी संगठन नहीं है जहाँ छुट्टी होती है। भारतीय अदालतों में 3.1 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। भारत में अपर्याप्त न्यायिक शक्ति है (भारत में प्रति मिलियन जनसंख्या पर केवल 13 न्यायाधीश हैं, ब्रिटेन की 100 की तुलना में)। दुनिया में कई देश ऐसे हैं जहां कोर्ट में छुट्टियां नहीं होती हैं। उदाहरण के लिए, फ्रांस और यू.एस. न्यायाधीशों के पास अवकाश नहीं होता है, लेकिन वे न्यायालय के कार्य को प्रभावित किए बिना अवकाश ले सकते हैं। भारत में भी अधीनस्थ आपराधिक न्यायालयों में कोई अवकाश नहीं होता है। लेकिन अधीनस्थ सिविल न्यायालयों, उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में अवकाश रहता है। फिर इन छुट्टियों की आवश्यकता क्यों है?

दुनिया में कई देश ऐसे हैं जहां कोर्ट में छुट्टियां नहीं होती हैं। उदाहरण के लिए, फ्रांस और यू.एस. न्यायाधीशों के पास अवकाश नहीं होता है, लेकिन वे न्यायालय के कार्य को प्रभावित किए बिना अवकाश ले सकते हैं।

भारत में भी अधीनस्थ आपराधिक न्यायालयों में कोई अवकाश नहीं होता है। लेकिन अधीनस्थ सिविल न्यायालयों, उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में अवकाश रहता है। फिर इन छुट्टियों की आवश्यकता क्यों है? न्यायाधीशों पर दैनिक आधार पर अत्यधिक बोझ डाला जाता है और वे बहुत लंबे समय तक काम करते हैं। पर्याप्त अवकाश के अभाव में न्यायाधीशों को बर्नआउट का सामना करना पड़ेगा। कई न्यायाधीश लंबे अंतराल का उपयोग लंबित निर्णयों को लिखने के लिए करते हैं और अनुसंधान पर भी पकड़ बनाते हैं, जो न्यायाधीशों के लिए न्याय की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

उन्हें निचली न्यायपालिका की देखरेख और न्यायाधीशों की नियुक्ति जैसे प्रशासनिक कार्य भी करने होते हैं।

या फिर छुट्टियों की संख्या को कम करने के बजाय, इसे इस तरह से तोड़ें कि न्यायाधीश न्यायिक रूप से अब की तुलना में अधिक सक्रिय हो जाए। यदि 15 न्यायाधीश छुट्टी पर चले जाते हैं और 45 अन्य काम कर सकते हैं तो एचसी ऐसा कर सकता है। इससे जजों पर कोई दबाव नहीं होगा और किसी को भी ज्यादा काम नहीं करना पड़ेगा। क्या मुसलमानों को दिवाली की छुट्टियां देने का कोई मतलब है?

हमारे क्रिसमस की छुट्टियों के साथ भी ऐसा ही है। यह मान लेना बिल्कुल गलत है कि बॉम्बे हाई कोर्ट के सभी 60 जज मई में 30 दिनों के लिए आराम करना चाहेंगे। यदि आपको अपनी पसंद का अवकाश स्लॉट मिलता है, तो आप गर्मी, सर्दी और दीवाली की छुट्टियों के दौरान अनिवार्य सिट-एट-होम अवकाश से बेहतर इसका आनंद लेते हैं। बॉम्बे एचसी में 60 न्यायाधीश हैं; उनमें से 45 अदालत की छुट्टियों के दौरान काम करने के इच्छुक होंगे यदि उन्हें उनकी छुट्टी लेने के लिए उनकी पसंद के अन्य स्लॉट दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, मैं मानसून में बाहर जाना पसंद करूँगी और गर्मी के समय को शहर में बिताना पसंद करूँगी।

इसके बजाय, सर्दियों के लिए 15 दिन, दिवाली के लिए 15 दिन और 15 सार्वजनिक अवकाश रखें। न्यायाधीश को यह चुनने दें कि शेष 75 दिन कब लेना है। इसका फैसला हाईकोर्ट की प्रशासनिक समिति कर सकती है।

एरियर कमेटी और विधि आयोग की 230वीं रिपोर्ट में अवकाश में कम अवधि के लिए अनुशंसा की गई। समय की मांग एक कुशल न्यायपालिका है जो न केवल नागरिकों के हितों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि देश की जरूरतों के अनुरूप उनकी प्रथाओं को संशोधित करके इस प्रतिबद्धता को भी संप्रेषित करती है। काम करने और न्याय करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए। यह आपकी शपथ है, और आपकी शपथ को पूरा करना आपका कर्तव्य है।

ग्लैमर, हाँ आपके पास वह है, लेकिन आप उसके लिए जज नहीं बनते। आप अपनी सर्वोत्तम क्षमता के अनुसार न्याय करने के लिए एक न्यायाधीश बन जाते हैं। यदि आपका विवेक स्पष्ट है, तो ये छुट्टियां और अंकित मूल्य आपको परेशान नहीं करेंगे। अगर अदालतों में बकाया के लिए किसी को दोषी ठहराया जाना है, तो अदालतें ही जिम्मेदार हैं।

चारित्रिक दृढ़ता, अध्यात्म, नैतिक शिक्षा भारत के वैश्विक विकास की आत्मा

भारतवर्ष सदैव आध्यात्मिक और वैदिक भारत के रूप में संपूर्ण विश्व में जाना जाता रहा है। अध्यात्म से जुड़े हुए हमारे ऐतिहासिक महापुरुषों के कारण भारत सदैव आदर की दृष्टि से देखा जाता है। अध्यात्म और नैतिक शिक्षा भारत के लिए एक बहुत बड़ी पूंजी तथा संपत्ति है, जो हमें विरासत में प्राप्त हुई है। आध्यात्मिकता के दम पर ही भारत ने विश्व में वैदिक शास्त्र, अध्यात्म का परचम लहराया है। वैदिक दर्शन और अध्यात्म दर्शन भारतीयता का ऐतिहासिक परिचायक है। आध्यात्मिक शक्ति एवं वैदिक ऊर्जा के कारण भारत के महापुरुष सदैव सच्चरित्र और ब्रह्मचर्य का पालन करते आए हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने भी सत चरित्र को अपने जीवन का अंग बना कर अनेक वैदिक ग्रंथों की रचना भी की है जो प्रत्येक भारतीय जनमानस के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ बन गए हैं। रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा, विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं अनेक ऐसे विद्वान हैं जिन्होंने सत्चरित्र और अध्यात्म के दम पर भारत को विश्व में सर्वोच्च मुकाम भी दिलाया है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कहा है की सच्चरित्र केवल एक व्यक्ति का ना होकर संपूर्ण राष्ट्र का होना चाहिए। अनेक यूरोपीय विद्वानों ने और भारतीय अध्यात्म के मनीषियों ने सत और चरित्र को अपने जीवन में आत्मसात करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए और दोनों को मिलाकर सत्चरित्र शब्द को बड़े विस्तार से समझाया है। अध्यात्म और योग शक्ति ही मनुष्य को सच्चरित्र बनाने में हमेशा मददगार रही है क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति की एकाग्रता तथा ज्ञान में वृद्धि होकर मन ईश्वर के प्रति श्रद्धानवत होता है और ईश्वर के प्रति जो व्यक्ति अगाध श्रद्धा रखता है वह सदैव अपने चरित्र के प्रति विशेष सावधान रहकर सच्चरित्र व्यक्तित्व ही बनाता है।

यह कहावत एकदम सत्य प्रतीत होती है की सद्गुण है सच्ची संपत्ति दुर्गुण बड़ी विपत्ति यह तो निश्चित है की सदाचारी परोपकारी संयमशील, इमानदार ,निष्ठावान नागरिक सच्चरित्र होकर एक महान राष्ट्र को जन्म देता है ।वहीं दुष्ट चरित्र व्यक्ति काम, क्रोध, कामना और लालच में पड़कर अपनी जिंदगी को नर्क बना कर दिया सदैव अशांत रहता है, अशांत नागरिक किसी भी कार्य में स्थिरता अथवा प्रगति प्रदान नहीं कर सकता है, वह अपने समाज तथा देश को कमजोर करने का ही कार्य करता है।

धन और संपत्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण चरित्र को बलवान बनाने वाली आध्यात्मिक शिक्षा ही है। धन-संपत्ति नष्ट होने पर किसी भी व्यक्ति का बड़ा नुकसान नहीं होता पर यदि चरित्र चला जाए तो उसका सम्मान यश तथा सामाजिक स्थिति एकदम निकृष्ट बन जाती है उसका समाज में अपमान होने लगता है, ऐसे में कोई भी व्यक्ति या नागरिक समाज में सिर उठाकर नहीं चल सकता ऐसा व्यक्ति समाज के उत्थान में कोई योगदान देने के काबिल नहीं रह जाता। इसलिए मनुष्य के जीवन में सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण आवश्यकता आध्यात्मिक शिक्षा एवं चरित्रवान जीवन है। सुभाष चंद्र बोस,महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, सरोजनी नायडू और अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में सच्चरित्र जीवन और मानसिक आध्यात्मिक शक्ति एवं ऊर्जा के कारण ही स्वतंत्रता संग्राम में पराधीन भारत को स्वतंत्रता दिलवाई थी। किसी भी देश के नागरिक को एक दिन में सच्चरित्र नहीं बनाया जा सकता बल्कि बालकों को बाल्यकाल से ही नैतिक शिक्षा से शिक्षित किया जाकर सदाचार का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। यह सर्वविदित है कि मनुष्य के चरित्र और व्यक्तित्व पर देश परिस्थितियां शिक्षा और समाजिक व्यवहार का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है और नैतिकता सदाचार का पाठ किसी भी व्यक्ति को एक दिन में नहीं पढ़ाया जा सकता है।

लापरवाही की हद

सार्वजनिक स्थलों पर लोगों की सुरक्षा की जैसी घोर अनदेखी की जाती है उसके चलते न जाने कितने लोग असमय काल के गाल में समा जाते हैं लेकिन कोई नहीं चेतता-न शासन-प्रशासन न ऐसे स्थलों की देखरेख करने वाले ठेकेदार और न ही आम लोग। गुजरात के मोरबी शहर में एक नदी पर बना झूले वाला पुल टूटने से 130 से अधिक लोगों की जान जाना हर स्तर पर बरती जाने वाली उस भयावह लापरवाही को बयान करता है, जो अपने देश में बहुत आम हो चुकी है और जिसके चलते रह-रहकर हादसे होते ही रहते हैं। यह जितना अकल्पनीय है, उतना ही अस्वाभाविक भी कि सौ साल से अधिक पुराने झूले वाले पुल की मरम्मत के बाद किसी ने उसकी जांच-पड़ताल करने की आवश्यकता नहीं समझी। इसी तरह किसी ने भी इस पुल पर सुरक्षा के प्रबंध देखने-समझने की जहमत नहीं उठाई। स्थानीय प्रशासन से बिना अनुमति के पुल को जनता के लिए खोल दिया जाना तो लापरवाही की पराकाष्ठा ही है। इसी लापरवाही के कारण मरम्मत के पांच दिन बाद ही यह पुल टूट गया। उसके टूटने का कारण यह भी रहा कि उसमें आवश्यकता से अधिक लोग जमा हो गए। इस पुल की क्षमता सौ लोगों की थी, लेकिन उस पर कई गुना अधिक लोग चले गए। चूंकि ये सारे टिकट लेकर गए, इसलिए यह स्पष्ट है कि टिकट बेचने वालों ने इसकी परवाह नहीं की कि पुल पर क्षमता से अधिक लोग जा रहे हैं। यह एक तरह से मौत को जानबूझकर दावत देने का काम था। लापरवाही का सिलसिला यहीं नहीं थमा। पुल पर गए लोगों ने उसे हिलाना शुरू कर दिया, लेकिन कोई उन्हें रोकने-टोकने वाला नहीं था- न पुलिस और न ही पुल के लिए टिकट बेचने वाली कंपनी के सुरक्षा कर्मी। यह पहली बार नहीं है जब किसी पुल के टूटने से इतना बड़ा हादसा हुआ हो। अपने देश में कभी पुल टूटने, कभी उन पर भगदड़ मचने से जानलेवा हादसे होते ही रहते हैं।

मिली भगत - सांठगांठ

वैश्विक स्तरपर भ्रष्टाचार शब्द सदियों से चला आ रहा है भारत में तो यह सैकड़ों साल पूर्व अंग्रेजों के जमाने से ही चला रहा है। परंतु अब इस शब्द के साथ एक नई थीम मिलीभगत जुड़ गई है, जो हमें अब कई बार सुनाई देता है कि सब मिलीभगत है और कुछ नहीं!! कई न्यायालयों से भी कमेंट आता है कि आप उसकी मदद ही नहीं कर रहे हैं आपकी उसके साथ मिलीभगत है। यह बात सुपरटेक मामले में भी अपेक्स कोर्ट में आई थी और अभी 30 अक्टूबर 2022 को मोरबी गुजरात में हुए भयानक हादसे में भी टीवी चैनलों पर जो बयान आ रहे हैं उसमें अनेक खामियों को देखते हुए वहां भी मिलीभगत शब्द का प्रयोग किया जा रहा है इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से भ्रष्टाचार में मिलीभगत और उसे तोड़ने के लिए हम चर्चा करेंगे, आओ मिलीभगत छोड़ सत्य निष्ठा ईमानदारी से अपने पद की जवाबदेही निभाने की शपथ लें साथियों बात अगर हम प्रैक्टिकली अनेक शासकीय विभागों में उनके कार्यालय में देखें तो हमें बाबू से लेकर बड़े अधिकारियों द्वारा चकरे खिलाए जाते हैं। कुछ अपवाद छोड़ दें तो यह स्थिति करीब-करीब हर कार्यालय में देखने को मिलती है इसलिए हमारे दिमाग में बात आती है सब मिलीभगत है क्योंकि हम अगर वही काम किसी बिचौलिए या दलाल के माध्यम से करने जाते हैं तो नीचे से ऊपर तक का काम हाथों-हाथ हो जाता है। इसीलिए हम फिर सोचते हैं कि यह मिलीभगत नहीं तो फिर क्या है ? कुछ शासकीयकार्यालयों का मुझे निजी अनुभव है कि कैसे मिलीभगत काम होता है।

साथियों हम हर पद पर बैठे बाबू से लेकर उच्च अधिकारी की करें तो उन्हें हर वर्ष केंद्रीय सतर्कता आयोग के माध्यम से हर कार्यालय द्वारा जागरूकता सप्ताह बनाकर सत्यनिष्ठा और ईमानदारी की शपथ दिलाई जाती है, जो इस साल भी 31 अक्टूबर से 6 नवंबर 2022 तक मनाया जा रहा है और करीब-करीब हर कार्यालय अपने कर्मचारियों अधिकारियों को शपथ दिला रहा है अगर वास्तव में इन कर्मचारियों द्वारा शपथ का पालन किया जाता है तो मिलीभगत का नाम ही नहीं आएगा क्योंकि जब भ्रष्टाचार नहीं होगा तो मिलीभगत यानें नीचे से ऊपर तक की चेन ही टूट जाएगी इसके लिए हर स्तर के अधिकारी बाबू चपरासी से लेकर मंत्री तक को यह शपथ लेनी होगी और सभी शासकीय कार्यों को सभी पहलुओं में सत्यनिष्ठा पारदर्शिता और सुशासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए सटीक नेतृत्व हर कार्यालय के प्रमुख को करना होगा

साथियों बात अगर हममिलीभगत की करें तो यह अधिकतम शासकीय मामलों भ्रष्टाचार और राजनीतिक क्षेत्रों में अधिक सुनने को मिलता है। मेरा मानना है कि पद पर आसीन बाबू से लेकर अधिकारी को अपना माइंड सेट इस सत्यनिष्ठा से करना होगा कि यह पद रूपी अन्नदाता हमारी रोजी-रोटी प्रदान करता है, इसके साथ गद्दारी मंजूर नहीं इसका संकल्प तो हम हर वर्ष जागरूकता सप्ताह में लेते हैं परंतु जरूरत है इसे निष्पादन करने की वैसे अंग्रेज़ी से अनुवाद किया गया कॉन्टेंट-मिलीभगत दो या दो से अधिक पार्टियों के बीच एक कपटपूर्ण समझौता या गुप्त सहयोग है जो दूसरों को उनके कानूनी अधिकार को धोखा देकर, गुमराह करने या धोखा देकर खुली प्रतिस्पर्धा को सीमित करता है। मिलीभगत को हमेशा अवैध नहीं माना जाता है। क्योंकि तकनीकी रूप से, अगर हम विभिन्न आपराधिक विधियों की खोज करेंगे, तो हमको मिलीभगत शब्द नहीं मिलेगा, लेकिन %सांठ गांठ% करना और कानून को तोड़ना भी संभव है, मिलावटी% शब्द का चयन किया गया है। मिलीभगत का कोई कानूनी प्रभार नहीं है।

साथियों बात अगर हम केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा 31 अक्टूबर से 6 नवंबर2022 तक शुरू किए गए जागरूकता सप्ताह की करें तो, इस साल सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है और इसकी थीम 'एक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत' रखा गया है।कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी पीआईबी में कहा गया है, सतर्कताजागरूकता सप्ताह के तहत, सीवीसी तीन नवंबर को विज्ञान भवन में एक कार्यक्रम भी आयोजित करेगा।

माननीय पीएम के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने की उम्मीद है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह सोमवार से शुरू हो गया और इसके तहत सार्वजनिक जीवन में शुचिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। एक अधिकारिक बयान में यह कहा गया है। केंद्रीय सतर्कता आयोग हर साल उस हफ्ते सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाता है,जिसमें अक्टूबर महीने की 31 तारीख पड़ती है। इसी दिन देश के प्रथम गृह मंत्री वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई जाती है।

साथियों बड़ी विडंबनाहै कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में भष्टाचार एक बड़ी बाधा है हमारा विश्वास है कि भष्टाचार का उन्मूलन करने के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार, नागरिकों और निजी क्षेत्र को एक साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। इस दिशा में स्वयं को एक उदाहरण के रुप में प्रस्तुत करने और रक्षा उपाय, सत्यनिष्ठा, ढांचा और नीतिसंहिता स्थापित करने के अपने उत्तरदायित्व को हम स्वीकार करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम किसी भी भ्रष्ट आचरण का हिस्सा नहीं हैं। साथ ही भ्रष्टाचार के दृष्टांतों पर हम अत्याधिक सख्ती से कार्रवाई करते हैं। हम नीतिपरक कार्य पद्धतियों को बढ़ावा देंगे और इमानदारी और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को प्रोत्साहन देंगे। हम न तो रिश्वत देंगे और न ही रिश्वत लेंगे। हम पारदर्शिता, जिम्मेवारी और निष्पक्षता पर आधारित सुशासन की प्रतिज्ञा करते हैं।

खुद को तलाशता मैं?

खुद को तलाशता मैं?
मुझे धरती लील गई,
आकाश ने छुपा दिया
हवाओं ने अदृश्य कर दिया
या पानी ने अपनी धाराओं में
विलोपित कर दिया मुझे,
अदना मैं अस्तित्व हीन,
शून्य से चिपका
व्योम में बहता सा,
मैं मुझको ही नजर नहीं आता
अपने अतीत में अपने को खोजता
पीछे की ओर नजरें दौड़ा कर,
पितामह हमारे आने वाले कल
की ओर निहारते
गहरी आशावादी दृष्टि से,
मैं अतीत के पाषाणों में
आज तलाश करता,
मां की कोख से जन्मा मैं
शून्य होकर रह गया
हम,हमारे द्वंद के बीच,
सूरज की नव किरणों में
अपने और अपनों को
बुझी आंखों से तलाशता,
सूखे पत्तों सा फड़फड़ाता,
वृक्ष के तनों सा अकडा
उजड़े हुए नगर की तरह
स्वयं बिछड़ा हुआ सा,
आज जन्मे शिशु ने दिया
मुक्ति का संदेश,
नवयुग की ओर जाने का
मार्ग।

शार्ट न्यूज़

वरिष्ठ पत्रकार विवेक विक्रम सिंह का निधन

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के वरिष्ठ पत्रकार और जिला न्यायालय के सरकारी अधिवक्ता विवेक विक्रम सिंह का बीती रात इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से जिले में अधिवक्ताओं एवं पत्रकारों मे शोक की लहर है। अमेठी जिले में कुरंग गांव के निवासी विवेक सिंह (45) की हालत रविवार शाम बिगड़ने पर सुलतानपुर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था, जहां स्थिति गंभीर होने पर उन्हें लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। लखनऊ में भी इलाज के दौरान देर रात उनकी तबियत में मामूली सुधार हुआ लेकिन इसके बाद उनका निधन हो गया। बताया जा रहा है कि उन्हें लीवर की समस्या थी। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे और एक बेटी है। वह कई वर्षों तक स्थानीय अखबारों में ब्यूरो चीफ के पद पर भी कार्य कर चुके है। मौजूदा समय में एनडीपीएस एक्ट की स्पेशल कोर्ट में वह बतौर सरकारी अभियोजक तैनात थे।

अंतरराज्यीय तस्करों से 25 लाख का गांजा बरामद

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के कोसीकलां थाना पुलिस ने कोसी बरहना मार्ग पर गश्त के दौरान अंतरराज्यीय तस्कर गैंग के सरगना को गिरफ्तार कर उसके पास से 185 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गांजे की यह खेप उड़ीसा से तस्करी कर मथुरा के आसपास खपाने के लिए लायी गयी थी। एसपी देहात त्रिगुण बिशेन ने बताया कि रविवार को कोसी बरहना मार्ग पर रात्रि गश्त के दौरान उक्त गांजा बरामद किया गया था। पुलिस ने तस्कर सरगना मथुरा निवासी मोहित को 185 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार कर लिया है। वहीं उसका भाई सचिन एवं उसका दोस्त सागर पुत्र विजय सिंह गांजा ढोने वाले वाहन के साथ भागने में सफल रहे। बरामद गांजे की कीमत 25 लाख से अधिक है। उन्होंने बताया कि गांजा तस्कर उड़ीसा से गांजे की तस्करी करते हैं और उसे जंगल में उतारते हैं। वहां से उसे नूह, मेवात, कामा, पुन्हाना आदि में बड़े खरीददार को बेचते हैं। एक या दो खुराक की पुड़िया बनाकर गांजे को बेचते हैं।

बस्ती : भैंस चराने गई युवती के साथ दुष्कर्म

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में छावनी थाना क्षेत्र के दुहौवा मिश्र गांव में भैंस चराने गई एक 20 वर्षीय युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव ने मंगलवार को बताया है कि छावनी थाना क्षेत्र के दुहौवा मिश्र गांव में 20 वर्षीय एक युवती भैंस चराने के लिए गई थी। उस दौरान उसके पिता से एक अज्ञात युवक के साथ आपस में कहासुनी हो गयी। उसके पिता जब वहां से चले गए, उसके बाद अज्ञात युवक ने युवती के साथ जबरन दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर मामला दर्ज कर उसे स्वास्थ्य परीक्षण के लिये चिकित्सालय भेजा गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

सर्वाधिक गन्ना पेराई क्षमता वाली त्रिवेणी शुगर मिल में पेराई शुरू

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जिले की सर्वाधिक गन्ना पेराई क्षमता वाली त्रिवेणी शुगर मिल में मंगलवार से पेराई शुरु हो गयी। इस मिल की क्षमता 1.40 लाख क्विंटल प्रति दिन गन्ना पेराई करने की है। गन्ना किसानों को पिछले कुछ वर्षों से समय पर गन्ना मूल्य का भुगतान करने वाली त्रिवेणी ग्रुप की देवबंद चीनी मिल ने पेराई सत्र की शुरूआत कर दी। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के लोक निर्माण राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने पूजन के बाद चीनी मिल की चेन में गन्ना डालकर पेराई सत्र की शुरूआत की। इस अवसर पर चीनी मिल के उपाध्यक्ष पुष्कर मिश्र और गन्ना प्रबंधक राजीव त्यागी सहित अन्य लोग मौजूद थे। मंत्री बृजेश सिंह ने पेराई सत्र के मौके पर उपस्थित हजारों क्षेत्रीय गन्ना किसानों को बधाई दी। किसानों ने मंत्री रावत का इस बात के लिए आभार जताया कि देवबंद चीनी मिल पिछले कई वर्षों से गन्ना मूल्य का समय से भुगतान कर रही है। किसानों की बढ़ती मांग को देखते हुए चीनी मिल प्रबंधकों ने कई वर्षों से बंद पड़े अपने चालीस हजार क्विंटल प्रति दिन की पेराई करने वाले संयंत्र को इस बार शुरू कर दिया। पुष्कर मिश्र ने संवाददाताओं को बताया कि कई वर्षों बाद फिर से देवबंद चीनी मिल अपनी पुरानी क्षमता पर पेराई करेगी और इस चीनी मिल में तैयार चीनी को शुद्ध और साफ करने का नया संयंत्र भी लगाने का काम किया है। इस नए संयंत्र के लग जाने से यहां की चीनी की क्वालिटी सर्वोत्तम हो जाएगी। मिश्र ने बताया कि इस बार भी किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान समय से ही किया जाएगा।

17 पुलिस कर्मियों के किए तबादले

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले की पुलिस ने जिले की कानून-व्यवस्था बेहतरी के लिए 17 पुलिस कर्मियों के तबादले किए हैं। इस स्थानांतरण में इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर स्तर के 17 थानों में फेरबदल किया गया है। इस स्थानांतरण के तहत बिलरियागंज थाने में तैनात रहे विजय प्रकाश मौर्या को एसपी अनुराग आर्य का पीआरओ बनाया गया है जबकि पीआरओ रहे ब्रहमदीन पांडेय को बिलरियागंज थाने का प्रभारी बनाया गया है। जिले में आईजीआरएस प्रकोष्ठ के प्रभारी दिलीप कुमार सिंह को कंधरापुर थाने का प्रभारी बनाया गया जबकि कंधरापुर थाने पर तैनात रहे अखिलेश पांडेय को गंभीरपुर का प्रभारी बनाया गया है। गंभीरपुर थाने पर तैनात रहे राम प्रसाद बिंद को पवई का प्रभारी जबकि पवई में तैनात रहे रत्नेश दूबे को देवगांव थाने का उपनिरीक्षक बनाया गया है। एसपी पीआरओ रहे ब्रहमदीन पांडेय को बिलरियागंज का प्रभारी जबकि बिलरियागंज के प्रभारी विजय प्रकाश मौर्या को एसपी का पीआरओ बनाया गया है। रानी की सराय थाने के प्रभारी नंद कुमार तिवारी को सिधारी थाने का प्रभारी और पुलिस लाइन में तैनात रहे शिव प्रकाश मिश्रा को रानी की सराय का प्रभारी बनाया गया है, जबकि सिधारी थाने के प्रभारी स्वतंत्र कुमार अस्वस्थता के कारण अवकाश पर हैं।

दबंगों ने ट्रैफिक होमगार्ड को चौराहे पर पीटा

कानपुर। कचहरी चौराहे पर एक बार फिर दबंगों की गुंडई देखने को मिली। रिवाल्वर लगाए दबंगों ने ट्रैफिक हवलदार को सड़क पर लात घूसों से बुरी तरह पीटा। बेखौफ़ दबंग होमगार्ड को बड़ी बेरहमी से मारते रहे। इस दौरान बीच बचाव करने आये ट्रैफिक सिपाही को भी इन हमलावरों ने पीट दिया। कचहरी के पैराडाइस चौराहे पर हुई इस घटना को लोग दूर से देखते रहे। किसी की भी हिम्मत बीच बचाव करने की नहीं हुई। कानपुर पुलिस मुख्यालय के चंद कदमों की दूरी पर खाकी पीटती रही। मारपीट करने वाले दबंग घटना को अंजाम देने के बाद कचहरी के आसपास घूमते भी रहे। इस दौरान राहगीर पूरा नज़ारा दूर से देखते रहे। किसी की भी बीच में पड़ने की हिम्मत नहीं हुई। पीटने बाद ट्रैफिक होमगार्ड और सिपाही फिर से यातायात को दुरुस्त करने में लग गये। कानपुर कचहरी के आसपास इस तरह की घटनाएं आम बात हो गई हैं। मामूली से बातों पर अक्सर वक़ील विवाद करते रहते है। आज भी विवाद करने वाले वकील ही बताये जा रहे है। क्योंकि मारपीट करने वाले सभी दबंग काली पेंट और सफ़ेद शर्ट पहने नज़र आ रहे है। हालांकि इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

प्रधान के खिलाफ भाकियू किसान सेना का प्रदर्शन

मुजफ्फरनगर। भाकियू किसान सेना से जुड़े कार्यकर्ताओं ने गांव नगला राई के प्रधान पर गंभीर आरोप लगाए। डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जांच की मांग की गई। मंगलवार को डीएम कार्यालय पहुंचे भाकियू किसान सेना जिलाध्यक्ष सलीम अली ने आरोप लगाया कि नगला राई के प्रधान ने ग्राम प्रधान निधी का दुरुपयोग किया है। आरोप था कि उन्होंने वार्ड संख्या 2 में 3 हैंडपंप रिबोर कराए, जिनमें एक उनके बुआ के बेटे के घर बाहर लगा है, जबकि एक नल उनके सहायक ने अपने घर में लगवा लिया। जबकि एक हैंड पंप उनके स्वयं के घर के बाहर लगा है। आरोप है कि तीनों हैंडपंप में सबमर्सिबल पंप डालकर प्रोग में लिया जा रहा है। जबकि बाकी गांव वाले पीने के पानी के लिए परेशान हैं। डीएम को दिये गए ज्ञापन में सारे मामले की जांच कराने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने दिये गए ज्ञापन में रोशनी के लिए लगवाई गईं लाईट, गांव में बनवाई गई इंटरलाकिंग सड़क, नरेगा जाब कार्ड में भेदभाव आदि की जांच कराने की मांग की। इस मौके पर अहसान, कमर जहां, सलीम,

सोनभद्र के जीआईसी घोरावल में सरदार पटेल जयंती महोत्सव का समापन

महात्मा गाँधीऔर सरदार पटेल का जीवन दर्शन हमारे लिये प्रेरणा स्रोत : उप जिलाधिकारी

- पटेल जी की दूरदर्शिता से राष्ट्र मजबूत हुआ: नीरज
- दो दिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम का समापन

संवाददाता/गौरवशाली भारत

सोनभद्र। विंध्यमण्डल के सोनभद्र का घोरावल भूभाग राष्ट्रीय एकता संदेश का समूचे सोनञ्चल में संदेशवाहक बना काशी से आये पीआईबी विभाग के द्विदिवसीय व्यापक आयोजन से लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल का स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा, आज़ादी के बाद नये भारत के निर्माण में उनकी बहुत बड़ी भूमिका रही वह हमारे आदर्श हैं, महात्मा गाँधी, और सरदार पटेल का जीवन दर्शन हमारे लिये प्रेरणा स्रोत हैं। यह विचार आज उप जिला अधिकारी घोरावल श्याम प्रताप सिंह ने केंद्रीय संचार ब्यूरो, वाराणसी द्वारा राजकीय इंटर कालेज घोरावल में आज़ादी का अमृत महोत्सव राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित दो दिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम केसमापन दिवस के प्रथम सत्र में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया।

उद्बोधन में एसडीएम ने विद्यार्थियों से सामजिक और आर्थिक स्तर अलग अलग होते हुए भी शिक्षा द्वारा गैरसमानता समानता में बदल सकती है, इस लिए निष्ठा और लगन से पढ़ाई करें साथ में जो अन्य भी कार्य करें उसमें भी गुणवत्ता की झलक अवश्य प्रकीर्णित होनी चाहिए।

सिंह ने प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में ज्ञान और राष्ट्रवाद का संदेश देती लोक कला कठपुतली और जादू जैसी प्रस्तुतियों को सराहनीय बताया। उपजिलाधिकारी ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उत्साहवर्धन किया।

समापन समरोह के चीफ गेस्ट जिला पंचायत सदस्य श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव नें पटेल जी की दूरदर्शिता, निडरता, कर्मठता और साहस की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के बाद हमें एक सर्वजनहिताय संविधान मिला जो समता, समरसता और समानता पर आधारित है। बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर ने शिक्षा का , वोट देने का अधिकार दिया जो ज्ञानवर्धन करता चिंतनशीलता बनाता समाज को जागृत करता है तो पटेल जी ने किसानों, मजदूरों और गरीबों के लिए आजीवन संघर्ष किया कर्मठ भाव से और आजादी के अनूठे भव्य नव्य आयाम दिए देश को द्य मुख्य अतिथि नीरज ने आगे वक्तव्यों की श्रृंखला जारी रखी और युवा पीढ़ी को गांधी,पटेल, सुभाष और अम्बेडकर के बताये मार्ग पर चल कर देश के विकास में अपना योगदान देने की अतीव आवश्यकता बताई।

चित्र प्रदर्शनी में लौह पुरूष सरदार पटेल जी के जीवन पर आधरित चित्रों का प्रदर्शन किया गया जिसमे उनके बचपन, गांधी जी से प्रशिक्षण, सफल बैरिस्टर, निडरता, कर्मठता, किसानों

के हितैषी और आधुनिक भारत के नवनिर्माण में योगदान की जानकारी युक्त चित्र प्रदर्शित किए गये थे आजादी का अमृत महोत्सव पर स्वतंत्रता आंदोलन की जुड़ी ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण घटनाओं जैसे डांडी यात्रा ,नमक सत्याग्रह, जलियां वाला बाग नरसंहार, यूरोपीय, व्यापरीयों का भारत आगमन, खिलाफत आंदोलन, साइमन कमीशन वापस जाओ, नेताजी सुभाष चंद्रबोस का योगदान, खेड़ा सत्याग्रह,, चौरी -चौरा की घटना, आज़ादी की पहली लड़ाई, वन्देमातरम का उदघोष, राष्ट्रीय जागरण की लहर, चम्पारण सत्याग्रह के चित्र लगाए गये थे इन्ही विषयों पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई द्य जादू और कठपुतलियों ने राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रिंसिपल अनिल यादव, डॉ रंजन चतुर्वेदी, राजेंद्र प्रसाद प्रजापति मान बहादुर सिंह, वीरेंद्र कुमार मिश्र, साहित्यकार डॉ. परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव पुष्कर, अमरेशचंद्र सोनानंचल इंटर कालेज के शिक्षक तिलकधारी सिंह, हदीस आलम, मुमताज़ अली आदि रहे कार्यक्रम डॉ लालजी क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी वाराणसी ने किया।

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा

देश को हिंदू राष्ट्र घोषित नहीं किया तो आएगी बड़ी विपत्ति

कानपुर। कथा वाचक पंडित देवकीनंदन ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि देश को तत्काल हिंदू राष्ट्र घोषित कर दिया जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो देश को किसी बड़ी विपत्ति का सामना करना पड़ सकता है।स्वरूप नगर में पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि यदि सदन में सही संख्या में धर्माचार्य होते तो लिव इन रिलेशन जैसे कानून पास नहीं हो सकते थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सनातन संस्कृति की रक्षा करने वाली सरकार है लेकिन मैं किसी एक दल का प्रचारक नहीं हूं। हमारे सामने राहुल गांधी, केजरीवाल और मायावती सभी समान हैं। प्रत्येक दल को अपने को मजबूत करने का अधिकार है, फिर जनता तय करेगी कि कौन मजबूत है, कौन नहीं। उन्होंने कहा कि वर्षों के इंतजार के बाद यह स्वर्णिम समय आया है जब सनातन धर्म को उसका वास्तविक मान सम्मान देश में राजनैतिक स्तर से भी दिया जा रहा है। देवकीनंदन महाराज ने कहा कि मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी लेकर रहेंगे। ज्ञानवापी में शिवलिंग आकृति और सनातन धर्म के चिन्ह स्पष्ट हैं। यह पहले से ही सिद्ध है कि ज्ञानवापी की सम्पूर्ण भूमि शिव मंदिर परिसर है। फिर भी हिंदू समाज कानून के रास्ते अपना हक पाना चाहता है। क्योंकि सनातन धर्म में शांति का मार्ग पहली प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि हिंदू समाज हमेशा भाईचारे की बात करता है। लेकिन उसके लिए दिनों पक्षों की पहल जरूरी है। अकेले भाईचारा नहीं निभता। मुस्लिम धर्मगुरु भी जानते हैं कि अयोध्या में राम आए और मथुरा में कृष्ण प्रकट हुए लेकिन फिर भी वे अपने समाज को सही दिशा नहीं दिखाते। अगर वे सकारात्मक भूमिका निभाएं और मथुरा अयोध्या काशी में हिंदू मंदिर निर्माण में सहयोग करें तो दोनों समाज का कल्याण होगा।

3 हजार थमा कर ले उड़ा 2 लाख के गहने

वाराणसी। वाराणसी में मंगलवार की दोपहर एक उचक्का खुद को जैन धर्म का अनुयायी बता कर एक सराफा कारोबारी की दुकान से लगभग दो लाख रुपए मूल्य के सोने के जेवर लेकर भाग निकला। उचक्के की करतूत दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। सराफा कारोबारी की सूचना के आधार पर जैतपुरा थाने की पुलिस उचक्के और उसके साथी की तलाश शुरू कर दी है। जैतपुरा थाना अंतर्गत औसानगंज में नीरजानंद उर्फ जग्गू सेठ की आभूषण की पुरानी दुकान है। नीरजानंद के अनुसार दोपहर के दौरान स्कूटी सवार दो लोग उनकी दुकान के सामने आकर रुके। उनमें से एक स्कूटी से उतर कर दुकान में आया। उसने कहा कि वह जैन धर्म का अनुयायी है। उसे अपने जैन मुनि के लिए सोने की अंगूठी लेनी है। अंगूठी ऐसी होनी चाहिए जो किसी ग्राहक ने छुई न हो। दुकान के स्टाफ ने उचक्के को एक डिब्बे में रखी हुई कुछ अंगूठी दिखाई। इस पर उचक्के ने लगभग 3 हजार रुपए एडवांस दिया और कहा कि इन अंगूठियों को अलग कर दीजिए। जैन मुनि अभी आएंगे और पसंद करके अंगूठी फाइनल करेंगे। इसी बीच वह चालाकी से 43 ग्राम सोने के जेवर अपने पीछे की जेब में डाल लिया और कहा कि थोड़ी देर में वह जैन मुनि को लेकर दुकान पर आएगा। दुकान से उचक्के के जाने के बाद नीरजानंद अपने आभूषणों का मिलान कर रखने लगे तो उन्हें शंका हुई। उन्होंने मिलान किया तो पता लगा कि 43 ग्राम सोने के जेवर गायब हैं। आनन-फानन उन्होंने सीसीटीवी फुटेज देखा तो उचक्के की करतूत समझ में आ गई। घटना की सूचना जैतपुरा थाने की पुलिस को दी गई।

एमबीबीएस की परीक्षा में नकल करते पकड़े दो छात्र

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में चल रही एमबीबीएस की परीक्षा में दो छात्र नकल करते हुए पकड़े गए। दोनों अपने जूतों के अंदर नकल की पर्चियां छिपाकर लाए थे। दोनों नकलची छात्र टूंडला स्थित एफएच मेडिकल कॉलेज के हैं। ये वही कॉलेज है, जिसके कई एमबीबीएस छात्रों ने अपनी कॉपियां बदलवाई हैं।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के खंदारी कैंपस के इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में एमबीबीएस की पूरक परीक्षा सप्लीमेंटरी चल रही हैं। यहां पर मंगलवार को सुबह की पाली में पांच मेडिकल कॉलेज के करीब 500 छात्रों की परीक्षा थी। परीक्षा के दौरान सचल दल जांच को पहुंचा। जांच में दो छात्रों के जूतों में पर्चियां मिलीं। इन्होंने मोजों में पर्चियां को छिपा रखा था। दोनों एफएच मेडिकल कॉलेज के छात्र हैं। दोनों को यूएफएम में बुक किया गया है।

एफएच कॉलेज के छात्रों ने बदलवाई कॉपियां

एफएच मेडिकल कॉलेज का नाम इन दिनों चर्चा में है। एसटीएफ द्वारा एमबीबीएस और बीएएमएस की कॉपियां बदलने की जांच की जा रही है। जांच में पाया गया है कि एफएच मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस की कापियां भी बदली गई हैं।

अमेठी में मकानों में लगी भीषण आग

अमेठी। अमेठी में देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में तीन कच्चे रिहायशी मकानों में भीषण आग लगी। आग की लपटें देखते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और निजी साधनों ने आग पर काबू पाया। आग इतनी विकराल थी कि चंद मिनटों में ही सब कुछ जलकर राख हो गया। आग से तीनों घरों का पांच लाख से अधिक का सामान जलकर राख हो गया। आग की चपेट में आने से तीन वर्षीय बच्ची भी झुलस कर घायल हो गई। पूरा मामला संग्रामपुर थाना क्षेत्र के ठेंगहा ग्राम सभा स्थित छोटी बबुरी गांव का है, जहां राणा प्रताप सिंह, कमलेश सिंह और गुलाब सिंह के घर में देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि चंद मिनटों में तीनों घरों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया।

उन्नाव में बिना फायर एनओसी के चलते मिले 21 अस्पताल, सीएमओ ने निरस्त किया रजिस्ट्रेशन

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में बिना फायर एनओसी के धड़ेले से निजी अस्पताल चल रहे हैं। आगजनी के घटनाओं के भी अस्पताल सुरक्षा बरतने में लापरवाही अपना रहे हैं। मरीजों की सुरक्षा को लेकर फायर विभाग ने अस्पतालों में फायर सेफ्टी के लिए नोटिस जारी किया। विभाग की ओर से किए गए समीक्षा में अस्पताल समेत अन्य डिपार्टमेंटल स्टोर मानकों पर खरे नहीं उतरे जिसके बाद सीएमओ ने 21 प्राइवेट अस्पतालों के रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया।

हाल ही लखनऊ समेत अन्य जिलों के अस्पतालो में हुए हादसों को मद्देनजर रखते हुए अस्पतालों को आग से बचाव के पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश दिए गये थे। लेकिन प्राइवेट अस्पतालों ने इस आदेश को अनदेखी करते हुए बिना फायर विभाग की एनओसी के ही चल रहे थे। इसके अलावा उन्नाव के कई डिपार्टमेंटल स्टोर और स्कूल भी मायर विभाग के मानकों पर खरे नहीं उतरे।

बीते साल फायर विभाग ने कुछ अस्पतालों को अग्निशमन की व्यवस्था करने के लिए एनओसी लेने का नोटिस दिया था। लेकिन इसे लेकर अस्पताल प्रशासन ने रुचि नहीं दिखाई।

उन्नाव में कई ऐसे अस्पताल है जो सकरी गलियों और रिहायशी इलाकों में चलते हैं। जहां आपातकालीन स्थिति में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी नहीं पहुंच सकती हैं। ऐसे में आग बुझाने के यंत्र ना होने से हादसे को आमंत्रित कर रहे हैं। आधिकारियों द्वारा मांगने के बाद भी जब सूची उपलब्ध नहीं करवाई गयी तो सीएमओ ने निजी अस्पातालों पर एक्शन लेते हुए रजिस्ट्रेशन रद्द करने का नोटिस जारी कर दिया।

इन अस्पतालों को जारी किया गया नोटिस

फायर एनओसी न होने पर अभिषेक अस्पताल आशाखेड़ा, अपना अस्पताल बीघापुर, अपोलो हास्पिटल बीघापुर, सहारा हास्पिटल सफीपुर, पूजा हास्पिटल पीडी नगर सर्जिकल हास्पिटल सोहरामऊ और सुषमा हास्पिटल पीडी नगर समेत अन्य अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन अग्रिम आदेश तक निरस्त कर दिया गया है।

गांव की जमीनों के लिए लगा दिया एनएचआई का रेट

मुआवजा वितरण में 380 करोड़ का खेल

एजेंसी

अमेठी। अमेठी में मुसाफिरखाना तहसील क्षेत्र के अंतर्गत एनएच 56 से जुड़े दो बाईपास के लिए मुआवजा वितरण के नाम पर लगभग 380 करोड़ से अधिक का खेल सामने आया है। जिम्मेदार अधिकारियों ने वर्ष 2016 में मुसाफिरखाना और जगदीशपुर क्षेत्र में बने दो बाईपास के लिए अधिग्रहीत की गई गांव की जमीन के मुआवजे के रूप में एनएच के रेट से पैसा बांट दिया गया।

मामले में एनएचएआई ने 2020 में ही वाद दायर किया था लेकिन अब डीएम ने संज्ञान में आने के बाद मामले में एडीएम न्यायिक की अगुआई में चार सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कमेटी की जांच में प्रथम दृष्टया भारी गड़बड़ी की पुष्टि हुई है।

जिले की मुसाफिरखाना तहसील अंतर्गत 49.5 किलोमीटर दायरे में लखनऊ वाराणसी राजमार्ग एनएच 56 गुजरता है। एनएच बनने के बाद जगदीशपुर और मुसाफिरखाना क्षेत्र में एक-एक बाईपास का निर्माण करवाया गया। वर्ष 2016 से 2020 के मध्य जगदीशपुर में उतेलवा से कनकूपुर के मध्य एक बाईपास का निर्माण किया गया। इसके लिए लगभग 95 हेक्टेअर जमीन का अधिग्रहण किसानों से किया गया।

वही मुसाफिरखाना में मठा भुसुंडा से सराय सुलेमान के मध्य बाईपास का निर्माण किया गया। इसके लिए लगभग 38 हेक्टेअर किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया गया। इसी मुआवजा वितरण के नाम पर सक्षम अधिकारियों ने खेल कर दिया।

क्या हुई गड़बड़ी

जांच कर रही टीम से जुड़े एक अफसर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कुछ हिस्से को छोड़कर बाईपास की सभी जमीने ग्रामीण क्षेत्रों की कृषि योग्य जमीनें थी। उनके मुआवजे का निर्धारण भी ग्रामीण सर्किल रेट पर किया जाना था। जबकि मुआवजा वितरण करने वाले जिम्मेदारों ने सभी जमीनों का मुआवजा एनएच के सर्किल रेट पर कर दिया।

इससे एनएचआई को लगभग 380 करोड़ रुपए की क्षति हुई है। प्रशासनिक सूत्र बताते हैं कि सही मुआवजा लगभग 180 करोड़ बन रहा था लेकिन लगभग 561 करोड़ रुपए मुआवजे के रूप में बांट दिए गए।

कैसे खुला मामला

एनएचआई के जिम्मेदारों ने गड़बड़ी का शक होने पर 2020 में ही आर्बिट्रेशन वाद दायर किया। वाद में एनएचआई ने अभिनिर्णय और भुगतान पर सवाल खड़े किए थे। यह फाइल जब डीएम राकेश कुमार मिश्र के संज्ञान में आई तो उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल एडीएम न्यायिक राजकुमार द्विवेदी की अगुवाई में चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी।

कमेटी में एसडीएम मुसाफिरखाना सविता यादव वरिष्ठ कोषाधिकारी आलोक राजवंशी व एआईजी स्टाम्प सीपी मौर्य को भी शामिल किया गया है। कमेटी ने जब जांच शुरू की तो गड़बड़ियां परत दर परत खुलती गई।

बोलने को तैयार नहीं जिम्मेदार

मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रकरण पर कोई भी जिम्मेदार अफसर बोलने को तैयार नहीं है। जांच टीम से जुड़े सदस्य तथ्यों को बताने से इंकार करते दिखे। डीएम ने भी प्रकरण में कुछ भी बोलने से इंकार किया है।

परियोजना निदेशक सीएम द्विवेदी पूरा मामला अब आर्बिट्रेटर के पास है। मुआवजा को लेकर कोई गड़बड़ी है तो उसी का निर्णय अंतिम होगा। जिले से मुआवजे में अनियमितता की रिपोर्ट आ चुकी है।

मोरबी की घटना के लिए पीएम मोदी को माफी मांगनी चाहिए

अयोध्या। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी मंगलवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने यहां केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर जमकर निशाना साधा। कहा कि गुजरात के मोरबी में पुल टूटने की घटना के लिए भाजपा की सरकार जिम्मेदार है।भाजपा सरकार का बना पुल 4 दिन भी नहीं चला। 100 लोगों की क्षमता वाले पुल पर 400 लोगों को जाने दिया गया। जिसके चलते इतना बड़ा हादसा हुआ।मोरबी की घटना के लिए पीएम मोदी को देश से माफी मांगनी चाहिए।

अभी तक ऐसी भ्रष्ट सरकार नहीं देखी : प्रमोद तिवारी

प्रमोद तिवारी ने आरोप लगाया कि घड़ी बनाने वाली कंपनी को पुल की मरम्मत का काम दिया गया था। जबकि उसके इस क्षेत्र में काम करने का कोई अनुभव नहीं था। उन्होंने यूपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यहां पर हर चीज में घोटाला हो रहा है। थाना,तहसील सभी में रिश्वत का खेल खेला जा रहा है। मैंने 44 साल की राजनीति में केंद्र और यूपी में इतनी भ्रष्ट सरकार नहीं देखी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का नाम ही घोटाला सरकार है। मैं आज लखनऊ से आ रहा हूं। अब तो वहां पर इधर गड्ढा पाटा जा रहा है,तो उधर सड़क उखड़ जा रही है।गड्ढा सड़क का निर्माण रूक गया है। मैं तो इतना ही कह सकता हूं, जो भ्रष्टाचार भाजपा के राज में हैं इतना कभी नहीं देखा गया था। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा को मिल रहे जन समर्थन को देखकर भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह भयभीत है। भारत जोड़ो यात्रा आम आदमी के दुख दर्द को साथ लेकर चल रही। इस यात्रा की सफलता यह दर्शाती है कि अगले चुनाव में बीजेपी का सूपड़ा पूरे देश से साफ हो जाएगा।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने बताया प्रमोद तिवारी अयोध्या होते हुए बस्ती किसी कार्यक्रम में जा रहे थे। सांसद प्रमोद तिवारी का स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह तथा उग्रसेन मिश्रा,दयानंद शुक्ला ,नागा राम लखन दास,अनूप मिश्रा ,प्रवीण श्रीवास्तव,संजय तिवारी,भीम शुक्ला,विजय पांडे,सुरेंद्र सिंह सैनिक, रामेंद्र त्रिपाठी, चंचल सोनकर,महंत जय मंगल दास ,डॉ विनोद गुप्ता,धीरेंद्र प्रताप सिंह बबलू आदि शामिल रहे।हनुमानगढ़ी के पुजारी हेमंत दास ने प्रमोद तिवारी का स्वागत किया।

मुजफ्फरनगर में ज्वैलर्स से 8 लाख की ठगी : सोना बताकर पीतल थमा दिया

एजेंसी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के पुरकाजी में एक सुनार से 8 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। दुकान पर काम करने वाले सहायक ने ही धोखाधड़ी से सुनार को 8 लाख का सोना खरीदवाने के बहाने पीतल दिला दिया। जिससे सुनार सड़क पर आ गया और उसे कर्ज चुकाने के लिए पहले अपनी दुकान बेंचनी पड़ी और अब मकान बेंचने को मजबूर होना पड़ रहा है। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। अंकित पुत्र स्व. राजेश कुमार निवासी मोहल्ला जुलाहो वाली गली कस्बा पुरकाजी ने पुलिस से शिकायत की है। अंकित का कहना है कि वह मोहल्ला नूरनगरियान निवासी एक व्यक्ति को उसने अपनी सर्राफ की दुकान पर तीन साल पहले सहायक के रूप में रखा था। बताया कि उसके सहायक ने उसे एक व्यक्ति से सस्ता सोना खरीदवाने का झांसा दिया। जिसके बाद उसने अपने रिश्तेदारों से उधार कर्ज कर और घर में रखी कुछ नगदी को मिलाकर 8 लाख रुपए इंतजाम किया। जो उसने अपने सहायक को देकर सोना लाने की बात कही। आरोप है कि उसके सहायक ने 8 लाख रुपये लेकर उसे सोना देने के बजाए पीतल लाकर थमा दिया। जिससे वह बर्बाद हो गया।

शार्ट न्यूज

अमृत लाल मीणा बने कोयला सचिव

नयी दिल्ली। अमृत लाल मीणा ने केंद्रीय कोयला मंत्रालय में कोयला सचिव का पदभार संभाल लिया है। यह जानकारी मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में दी गयी है। उन्होंने डॉ अनिल कुमार जैन का स्थान लिया है जो जो सेवानिवृत हुए हैं। मीणा भारतीय प्रसाशनिक सेवा (आईएएस) के 1989 बैच के बिहार कैडर के अधिकारी हैं। इससे पहले वह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग में विशेष सचिव (लॉजिस्टिक्स) पद का दायित्व संभाल रहे थे। विज्ञप्ति के अनुसार श्री मीणा ने सोमवार को अपनी नयी जिम्मेदारी संभाली।

अक्टूबर 2022 में जीएसटी संग्रह 1,51,718 करोड़ रूपये

नयी दिल्ली। देश में इस वर्ष अक्टूबर में वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) संग्रह 1,51,718 करोड़ रुपये रहा। यह अप्रैल 2022 के बाद जीएसटी की सबसे बड़ी मासिक वसूली है। लगातार आठ महीनों से जीएसटी संग्रह 1.4 लाख करोड़ रुपये से ऊपर बना हुआ है। जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद दूसरा महीना है, जब इस अप्रत्यक्ष कर का संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हुआ है। वित्त मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार अक्टूबर 2022 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,51,718 करोड़ रुपये रहा, जिसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 26,039 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 33,396 करोड़ रुपये, समेकित जीएसटी (आईजीएसटी) 81,778 करोड़ रुपये और जीएसटी उपकर 10,505 करोड़ रुपये रहा। अप्रैल 2022 के बाद अब तक का दूसरा सर्वाधिक जीएसटी संग्रह है। इस वर्ष अप्रैल में 1,67,540 करोड़ रुपये था।

पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में जारी तेजी के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम सोमवार को भी स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.30 प्रतिशत चढ़कर 94.02 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 1.24 प्रतिशत गिरकर 87.60 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में चार महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

अमेरिका में सितंबर के दौरान नौकरियों के विज्ञापनों में इजाफा

नई दिल्ली। अमेरिका में सितंबर के दौरान नौकरी के विज्ञापनों में अप्रत्याशित रूप से इजाफा देखा गया। यह दर्शाता है कि अमेरिकी का नौकरी बाजार उतनी तेजी से 'ठंडा' नहीं हो रहा है जितना अमेरीका के केंद्रीय बैंक ने उम्मीद जताई थी। अमेरिका के श्रम विभाग ने मंगलवार को कहा कि नियोक्ताओं ने सितंबर में 1. 07 करोड़ नौकरी के विज्ञापन निकाले, जो अगस्त में 1.03 करोड़ थे। अर्थशास्त्रियों ने जून, 2021 के बाद पहली बार नौकरी के विज्ञापनों की संख्या के एक करोड़ से नीचे जाने की आशंका जताई थी। पिछले दो वर्षों से नियोक्ताओं ने शिकायत की है कि उन्हें पर्याप्त कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। अधिक संख्या में नौकरियां उपलब्ध होने के कारण कर्मचारी इस्तीफा या अधिक भुगतान देने वाले नियोक्ताओं की तरफ जा रहे है। इस कारणों ने कंपनियों को कर्मचारियों को बनाये रखने के लिए वेतन बढ़ाने को मजबूर किया गया है। वहीं, उच्च वेतन ने मुद्रास्फीति को बढ़ावा दिया है, जो 2022 में 40 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

एनएमडीसी का लौह अयस्क उत्पादन अप्रैल-अक्टूबर में छह प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली । सरकारी स्वामित्व वाली एनएमडीसी ने मंगलवार को बताया कि अप्रैल-अक्टूबर 2022 के दौरान उसका लौह अयस्क उत्पादन छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ करीब एक करोड़ 97.1 लाख टन रह गया। एक नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी गई है। इस प्रमुख खनन कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दो करोड़ 10.4 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन किया था। कंपनी की कुल बिक्री भी एक साल पहले की समान अवधि के दो करोड़ 20.8 लाख टन से 12 प्रतिशत घटकर एक करोड़ 94.4 लाख टन रह गई। इस साल अक्टूबर में उत्पादन लगभग 35.3 लाख टन पर लगभग स्थिर रहा। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 33.3 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन किया था। अक्टूबर, 2021 में कंपनी की बिक्री पिछले साल की समान अवधि के 35.8 लाख टन से लगभग 14 प्रतिशत घटकर 30.9 लाख टन रह गई। इस्पात मंत्रालय के तहत आने वाली एनएमडीसी भारत में सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी है। एनएमडीसी देश के सालाना लौह अयस्क उत्पादन में करीब 17 प्रतिशत का योगदान देती है।

विवेक जोशी ने वित्तीय सेवा विभाग के सचिव का पदभार संभाला

नयी दिल्ली। एक नवंबर (भाषा) वरिष्ठ नौकरशाह विवेक जोशी ने मंगलवार को वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव का पदभार संभाल लिया। जोशी ने संजय मल्होत्रा का स्थान लिया है, जो अब राजस्व सचिव के रूप में कार्यभार संभालेंगे। इस नियुक्ति से पहले हरियाणा कैडर के 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी जोशी गृह मंत्रालय के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त थे। उल्लेखनीय है कि डीएफएस बैंकों, वित्तीय संस्थानों, बीमा कंपनियों और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के कामकाज पर नजर रखता है।

लग्जरी घड़ियों के दो विक्रेताओं पर आयकर विभाग की छापेमारी

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने कर चोरी के एक मामले में लग्जरी घड़ियों के दो प्रमुख विक्रेताओं के परिसरों की तलाशी ली है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आयकर विभाग की टीम ने सोमवार को कपूर वॉच कंपनी और जॉनसन कंपनी एवं उनके प्रवर्तकों के परिसरों पर छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों के मुताबिक, तलाशी अभियान के दौरान इन कंपनियों के बही-खातों एवं बिक्री रसीदों के अलावा अन्य कागजात की पड़ताल की गई। इनपर कई लाख रुपये की लग्जरी घड़ियों की बिक्री में कर चोरी के आरोप लगे हैं। इस बारे में प्रतिक्रिया के लिए पीटीआई-भाषा ने दोनों घड़ी विक्रेताओं से संपर्क साधने की कोशिश की लेकिन भेजे गए ईमेल एवं फोन कॉल के कोई जवाब नहीं मिले। इन दोनों कंपनियों के शोरूम दिल्ली के प्रमुख बाजारों में हैं जहां पर लग्जरी घड़ियों की बिक्री की जाती है।

मारुति सुजुकी की कुल बिक्री अक्टूबर में 21 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि अक्टूबर में उसकी कुल बिक्री 21 प्रतिशत बढ़कर 1,67,520 इकाई हो गई। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में कुल 1,38,335 इकाइयां बेची थीं। अक्टूबर में यात्री वाहनों की कुल घरेलू बिक्री 1,47,072 इकाई रही, जो सालाना आधार पर 26 प्रतिशत अधिक है। एक साल पहले इसी महीने में घरेलू यात्री वाहनों की कुल घरेलू बिक्री 1,17,013 इकाई थी। अक्टूबर 2021 में मिनी सेगमेंट में कारों की बिक्री बढ़कर 24,936 इकाई हो गई। इस खंड में ऑल्टो और एस-प्रेसो जैसे मॉडल शामिल हैं। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री पिछले महीने बढ़कर 73,685 इकाई हो गई। एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 48,690 था।

गुजरात में प्रयोगशाला में विकसित हीरे के प्रोत्साहित करने की पहल की सराहना

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ने गुजरात सरकार द्वारा प्रयोगशाला में विकसित हीरे के उद्योग-व्यापार को प्रोत्साहित करने के गुजरात सरकार के कदमों की सराहना है।

प्रयोगशाला में विकसित हीरा (एलजीडी) उद्योग पर राजधानी में एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री गोयल ने गुजरात में हीरा विकसित करने वाली प्रयोगशालाओं को पांच साल के लिए बिजली शुल्क पर 100 प्रतिशत छूट की पेशकश का विशेष रूप से जिक्र किया।

गोयल ने उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार द्वारा डलजीडी को विशेष प्रोत्साहन वाले क्षेत्र के रूप में चुना गया है। राज्य सरकार ने औद्योगिक मशीनरी और उपकरण और विद्युत मशीनरी और उपकरण उद्योग को भी

विशेष प्रोत्साहन के क्षेत्र में लिया है। इसका लाभ राज्य में एलजीडी भट्टी निर्माताओं द्वारा उठाया जा सकता है।

गुजरात ने कृत्रिम हीरा उद्योग को ब्याज लागत और कर में रियायतें, एलजीडी के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए विकास एवं अनुसंधान कार्य में समर्थन, मौजूदा कार्यबल के लिए कौशल उन्नयन को प्रोत्साहित करने के लिए कौशल विकास सहायता आदि सहित कई प्रोत्साहनों की पेशकश है।

राज्य सरकार इस क्षेत्र की इकाइयों को श्रमिकों के मूल वेतन के 12 प्रतिशत तक या अधिकतम 1800 रुपये प्रति माह तक ईपीएफ में नियोक्ता के योगदान के बराबर प्रतिपूर्ति कर रही है। यह प्रोत्साहन 10 वर्षों की अवधि के लिए है।

बड़ी इकाइयों ब्याज सब्सिडी और शुद्ध एसजीएसटी की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति की पेशकश भी की जा रही है। राज्य में इस क्षेत्र की वृहद इकाइयां 20 वर्षों में पूंजीगत वस्तुओं पर कर के 100 प्रतिशत तक प्रतिपूर्ति का दावा कर सकती हैं। सरकार प्रौद्योगिकी अधिग्रहण के लिए लागत का 65 प्रतिशत या अधिकतम 50 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान कर रही है।

बैठक में रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के सदस्य और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे।

भूमि बहाली अभियान में निवेशकों को जोड़ने के लिए डब्ल्यूआरआई, संगम वेंचर्स का दिल्ली में आयोजन

नयी दिल्ली। भारत और पड़ोसी देशों में उपजाऊ भूमि की उपलब्धता बढ़ाने के लिए भूमि बहाली अभियान चला रहे अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन वर्ल्ड रिर्सोसेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई) इंडिया ने राजधानी में निवेशकों और उद्यमियों का तीन दिवसीय एक आयोजन किया जिसमें इस कार्य को स्टार्टअप व्यवसाय के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास है।

डब्ल्यूआरआई इंडिया और संगम वेंचर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम लैंड एक्सेलेरेटर साउथ एशिया-इम्पैक्ट डेज 2022' में 34 उद्यमियों ने वन क्षेत्रों और कृषि भूमि की बहाली की दिशा में काम करते हुए अपने व्यावसायिक मॉडल 15 प्रमुख प्रभाव वाले निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का कल समाप्त होगा।

संगम वेंचर्स के फाउंडर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्तिक चंद्रशेखर ने मंगलवार को यहां कहा, वर्षों से गहन कृषि के कारण हमारी मिट्टी की उर्वरक क्षमता समाप्त हो गई है। हम सब जानते हैं कि स्वस्थ मिट्टी हमारे खाद्य उत्पादन की कुंजी है। अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर छलांग लगाने के लिए, जिस तरह से हम खाद्यान्न का उत्पादन, वितरण और उपभोग करते हैं और भूमि के साथ हमारे संबंधों और हमें खिलाने वाले लोगों के साथ हमारे रिश्तों को बदलने की जरूरत है।''

उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि यह प्रोग्राम किसानों की समृद्धि सुनिश्चित करने और जैव विविधता को संरक्षित करने और उपभोक्ताओं और उत्पादकों को अधिक जिम्मेदार खपत और उत्पादन के लिए तैयार करने के साथ-साथ खेतों और जंगलों को बहाल करने के लिए इनोवेटिव सॉल्यूशंस विकसित करने वाले उद्यमियों का समर्थन करता है।

डब्ल्यू आर आई इंडिया, इंडिया रिसोर्सेज ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत एक स्वतंत्र परोपकारी संस्था है जो पर्यावरण के लिए और एक समानतापूर्ण समाज के लिए निष्पक्ष जानकारी और व्यावहारिक समाधान उपलब्ध कराने की ओर अग्रसर है। डब्ल्यूआरआई इंडिया प्रमाण-आधारित जानकारी और क्रियान्वित किए जा सकने वाले समाधानों का प्रस्ताव देती है। डब्ल्यूआरआई अफ्रीका और एशिया सहित विश्व के विभिन्न देशों में बंजर, वन भूमि और चारागाहों की स्थिति को बहाल करने के लिए अभियान चला रहा है। संगठन का दावा है कि उसने अब तक 2.2 करोड़ पौध लगाकर दो लाख सात हजार हेक्टेयर से अधिक बंजर जमीन को उर्वरक और आच्छादित करने में मदद की है। इससे 46 देशों में 12 लाख किसानों को मदद मिल रही है और 13 हजार नौकरियां उत्पन्न हुई हैं।

मोदी कर्नाटक वैश्विक निवेशक सम्मेलन को आज करेंगे संबोधित

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को सुबह साढ़े 10 बजे बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कर्नाटक में एक वैश्विक निवेशक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी।

विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी 10.30 बजे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट इनवेस्ट कर्नाटक 2022' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन बेंगलूर में चार नवंबर तक चलेगा।

बयान में कहा गया है कि बैठक का उद्देश्य संभावित निवेशकों को आकर्षित करना और अगले दशक के लिए विकास एजेंडा स्थापित करना है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में 80 से अधिक वक्ता सत्र होंगे। वक्ताओं में अन्य लोगों के अलावा उद्यमी कुमार मंगलम बिड़ला, सज्जन जिंदल, विक्रम किर्लोस्कर सहित उद्योग जगत के कुछ शीर्ष नेता शामिल हैं। इसके साथ ही, तीन सौ से अधिक प्रदर्शकों के साथ कई व्यावसायिक प्रदर्शनियां और देश के सत्र समानांतर आयोजित किए गए हैं।

विभिन्न देश के सत्रों की मेजबानी जर्मनी, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया, जापान और ऑस्ट्रेलिया करेंगे, जिनके मंत्रिस्तरीय और औद्योगिक प्रतिनिधिमंडल बेंगलुरु पहुंच रहे हैं। यह आयोजन कर्नाटक को अपनी संस्कृति को दुनिया के सामने भी प्रदर्शित करने का अवसर भी देगा।

मेदांता का आईपीओ तीन नवंबर को खुलेगा, कंपनी जुटायेगी 2200 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। अस्पताल सेवा कंपनी मेदांता समूह का प्रथम सार्वजनिक निगम (आईपीओ) तीन नवंबर को खुलेगा। कंपनी ने इसके जरिए प्राथमिक बाजार से 2200 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

मेदांता ब्रांड से चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने वाली कंपनी ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड के अधिकारियों ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि कंपनी ने इस आईपीओ में दो रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर के लिए आवेदन मूल्य का दायरा 319 से 336 रुपये तय किया है।

कंपनी ने कहा है कि इस पेशकश में आरंभिक शेयर निर्गम में 500 करोड़ रुपये के नये इक्विटी शेयर जारी किये जायेंगे और कुछ वर्तमान शेयर धारकों द्वारा कुल 50761000 इक्विटी शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफसी) के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज के जरिए जारी किये जायेंगे। इनमें ओएफसी के जरिए बेचने वाले शेयरों में निवेश कंपनी समूह कार्लाइल ग्रुप से संबंधित अनंत इन्वेस्टमेंट्स 50761000 शेयर बेचेगी और सुनील सचदेवा (सुमन सचदेवा के साथ मिलकर) एक लाख करोड़ के शेयर जारी करेगी।

गुरुग्राम, लखनऊ, इंदौर, रांची और पटना में अस्पताल परिचालित मेदांता समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ नरेश त्रेहन ने कहा कि कंपनी इस निर्गम से मिलने वाली पूंजी का उपयोग अपनी दो अनुषंगी कंपनियों जी एच पीपील और एमएचपीएल में निवेश करेगी। ऋण और शेयर पूंजी के रूप में होगा और इससे अनुषंगी कंपनियां 3750 करोड़ रुपये का कर्ज आंशिक या पूरी तौर पर चुकता करेगी। आईपीओ की बाकी पूंजी समूह अन्य कामों पर लगायेगी।

डॉ त्रेहन ने बताया कि मेदांता का एक नया अस्पताल नोएडा में बन रहा है, जिसके जल्द ही संचालित होने की उम्मीद है।

जियो प्लेटफार्म पर दुकानदारों के लिए स्पोर्ट्सवियर की थोक खरीद की सुविधा

नयी दिल्ली। देश में छोटे-बड़े स्पोर्ट्स स्टोर और फैशन रिटेल आउटलेट के लिए खरीद की सुविधा बढ़ाने के लिए रिलायंस रिटेल के नए बिजन-टू-बिजनस न्यू-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, जियो बिजनस ने एथलेटिक ब्रांड-'एक्सलेरेट' पेश किया है ।

रिलायंस रिटेल की मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार छोटे बड़े स्टोर और खुदरा कारोबारी जियो बिजनस पर पंजीकृत हो कर एक्सलेरेट उत्पादों का ऑर्डर दे सकते हैं। प्लेटफार्म ने हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या को ब्रांड का एंबेसडर बनाया गया है।

रिलायंस रिटेल के प्रेसिडेंट और सीईओ - फैशन और लाइफस्टाइल अखिलेश प्रसाद ने कहा, एक्सलेरेट के बेहतर और किफायती उत्पादों में भारतीय ग्राहकों को खुश करने की ताकत है।

ब्रांड के एंबेसडर हार्दिक पांड्या होंगे। यह ब्रांड स्पोर्ट्स शूज, सैंडल और अपैरल की कैटेगरी में युवाओं की जरूरतों का ध्यान रखेगा।

हार्दिक पांड्या ने कहा, मुझे एक्सलेरेट के साथ जुड़कर प्रसन्नता हो रही है। मुझे लगता है कि उनके पास उत्पादों की एक बेहद स्टाइलिश और आरामदायक रेंज है। जियो बिजनस रिलायंस रिटेल की न्यू-कॉमर्स शाखा है। जो देश भर के खुदरा विक्रेताओं और व्यापारियों के साथ साझेदारी में काम करती है। कंपनी खुदरा कारोबारियों को 5000 से अधिक फैशन और लाइफस्टाइल ब्रांडों की व्यापक रेंज उपलब्ध कराती है।

साढ़े नौ महीने बाद सेंसेक्स 61 हजार के पार

मुंबई। अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर में एक बार फिर बढ़ोतरी करने की संभावना से वैश्विक बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज सेंसेक्स साढ़े नौ महीने के बाद 61 हजार अंक के पार पहुंच गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 374.76 अंक की छलांग लगाकर साढ़े नौ माह के उच्चतम स्तर 61 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 61121.35 अंक पर पहुंच गया। इससे पूर्व यह इस वर्ष 17 जनवरी को 61308.91 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 133.20 अंक की उड़ान भरकर 18145.40 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही। मिडकैप 1.04 प्रतिशत चढ़कर 25,622.27 अंक और स्मॉलकैप 0.26 प्रतिशत की बढ़त लेकर 28,891.11 अंक पर रहा। बीएसई में कुल 3582 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1824 में लिवाली जबकि 1618 में बिकवाली हुई वहीं 140 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 38 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 12 में

गिरावट का रुख रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में कीमतें कम होनी शुरू हो गई हैं लेकिन अभी भी महंगाई का स्तर ऊंचा बना हुआ है। साथ ही तीसरी तिमाही में निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन की गति धीमी बनी हुई है। यह दूसरी तिमाही के 1.6 प्रतिशत के मुकाबले तीसरी तिमाही में 1.2 प्रतिशत ही रही है। इस परिदृश्य में 01-02 नवंबर को अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की मौद्रिक नीति समीक्षा के लिए होने वाली बैठक में एक बार फिर से ब्याज दर में बढ़ोतरी किये जाने की संभावना प्रबल हो गई है। इससे विदेशी बाजारों में तेजी का रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 1.51, जर्मनी का डैक्स 1.07, जापान का निक्केई 0.33, हांगकांग का हैंगसेंग 5.23 और चीन का शंघाई कंपोजिट 2.62 प्रतिशत मजबूत रहा।

इसका असर घरेलू स्तर पर भी दिखा। बीएसई के बैंकिंग समूह की 0.11 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर लगभग सभी समूह में निवेशकों ने जमकर लिवाली की, जिससे कमोडिटीज 1.45, हेल्थकेयर 1.61, आईटी 1.77, यूटिलिटीज 2.11, पावर 2.18, रियल्टी 1.11, टेक 1.67, सीडी 0.55, एफएमसीजी 0.66, दूरसंचार 0.50, कैपिटल गुड्स 0.61, धातु 0.96 और तेल एवं गैस समूह में 0.57 प्रतिशत की तेजी रही।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 319 अंक की तूफानी तेजी के साथ 61,065.58 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत दोपहर से पहले 61,289.73 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बिकवाली के दबाव में यह दोपहर बाद 60,868.69 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 60,746.59 अंक के मुकाबले 0.62 प्रतिशत चढ़कर 61,121.35 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी ने मजबूत शुरुआत की और 119 अंक मजबूत होकर 18,130.70 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 18,175.80 अंक के उच्चतम जबकि 18,060.15 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 18,012.20 अंक की तुलना में 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,145.40 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान सेंसेक्स 26 कंपनियां हरे जबकि शेष लाल निशान पर बंद हुई। मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में एनटीपीसी 5.00, पावरग्रिड 3.07, डॉ. रेड्डी 2.39, इंफोसिस 2.27, टीसीएस 2.08, अल्ट्रासिमको 1.84, एचसीएल टेक 1.74, सन फार्मा 1.69, एशियन पेंट 1.62, विप्रो 1.57, एचडीएफसी 1.48, बजाज फिनसर्व 1.24, एचडीएफसी बैंक 1.18, नेस्ले इंडिया 1.10, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.52, एसबीआई 0.51, भारती एयरटेल 0.40, एलटी 0.04 और आईसीआईसीआई बैंक 0.02 प्रतिशत शामिल है।

दिसंबर में रेपो 0.50 प्रतिशत बढा सकता है रिजर्व बैंक

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर (वार्ता) भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दिसंबर के मध्य में अपनी नीतिगत ब्याज दर रेपा में आर 0.50 प्रतिशत बढ़ाएगा, यह अनुमान भारतीय स्टेट बैंक के अनुसंधान प्रभाग एसबीआई रिसर्च की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में लगाया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने सितंबर में रेपो 0.50 प्रतिशत ऊंची कर 5.9 प्रतिशत कर दिया था ताकि बैंकों का कर्ज महंगा हो और मुद्रास्फीति की प्रत्याशा पर लगाम और कसी जा सके। बैंक इस साल रेपो में 1.90 प्रतिशत की वृद्धि कर चुका है। एसबीआई रिसर्च की ताजा मासिक रिपोर्ट ईकोरैप में कहा गया है, आरबीआई की 3 नवंबर 2022 की बैठक नियमित बैठक नहीं है और यह केवल एक नियामकीय दायित्व के तहत बुलाई गयी है।भले ही यह बैठक 2 तारीख की अमेरिकी फेड रिजर्व की बैठक के एक दिन बाद निर्धारित की गयी है पर हम इस बैठक में किसी अन्य एजेंडे की घोषणा की उम्मीद नहीं करते हैं। इस रिपोर्ट में अमेरिका में तीसरी तिमाही में निजी क्षेत्र की वेतन वृद्धि में काफी नरमी का उल्लेख किया गया है। दूसरी तिमाही के 1.6 प्रतिशत की तुलना में तीसरी तिमाही में वेतन वृद्धि 1.2 प्रतिशत बढ़ी। यह दर्शाता है कि स्फीति प्रेरित मजदूरी वृद्धि का दौर हल्का हो रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में उपभोक्ता खर्च की वृद्धि दूसरी तिमाही के 2.0 प्रतिशत की जगत तीसरी तिमाही में 1.4 प्रतिशत रही। अमेरिकी आर्थिक गतिविधियों में दो-तिहाई से अधिक योगदान उपभोक्ता खर्च कहा है। एसबीआई इकोरैप रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में मौद्रिक नीति समिति की बैठक के हाल के विवरण से लगता है कि कुछ सदस्य नीतिगत दर वृद्धि के चक्र को जल्द खत्म होना देखना चाहते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल अक्टूबर में देश के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश खरीफ फसलों को काफी प्रभावित किया है जिसका खाद्य मुद्रास्फीति पर दबाव बन सकता है। सितंबर की खाद्य मुद्रास्फीति 8.4 प्रतिशत है। खाद्य मुद्रास्फीति ऊंची होने पर दिसंबर में खुदरा मुद्रास्फीति को 7.5 प्रतिशत की तरफ बढ़ा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आम सहमति है कि रिजर्व बैंक की फौरी उधार पर ब्याज दर अधिकतम 6.5 प्रतिशत तक जा सकती है।

कोरोना को लेकर चीन ने कड़े किए नियम, भारत में आईफोन की सप्लाई नहीं होगी प्रभावित

नई दिल्ली। चीन में कोविड की रोकथाम के लिए प्रतिबंधों को कड़ा करने के बावजूद भारत में एप्पल आईफोन की सप्लाई पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पडेगा। विशेषज्ञों का मानना हैं कि इन प्रतिबंधों को लेकर भारत में आईफोन की सप्लाई 5 फीसदी से भी कम प्रभावित हो सकती है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में बताया गया कि मध्य चीन के झेंग्झौ प्रांत में एप्पल की आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन के मुख्य संयंत्र को हाल ही में कड़े कोविड -19 रोकथाम उपायों के तहत रखा गया था। इससे आईफोन का वैश्विक उत्पादन 30 फीसदी तक प्रभावित हो सकता है। कंपनी आईफोन की वैश्विक आपूर्ति का 70 फीसदी उत्पादन करती है और इसका अधिकांश उत्पादन झेंग्झौ प्रांत में होता है। हालांकि कंपनी ने अब भारत में भी आईफोन बनाना शुरू कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना हैं कि इससे चीन में उत्पादन में आई कमी की चुनौती से कुछ हद तक निपटा जा सकता है। काउंटर पांइट रिसर्च के डायरेक्टर तरुण पाठक कहते हैं, हम भारत पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं देखते है। अब अधिकतर आईफोन भारत में बन रहे है, ऐसे में भारत पर इसका प्रभाव 5 फीसदी से भी कम रहेगा। इसके अतिरिक्त चीन में जीरो-कोविड नीति आगे भी जारी रहेगी।

सभी करदाताओं के लिए एकसमान आईटीआर फॉर्म लाने का प्रस्ताव

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सभी करदाताओं के लिए एकसमान आयकर रिटर्न (आईटीआर) फॉर्म लाने का प्रस्ताव मंगलवार को रखा जिसमें डिजिटल परिसंपत्तियों से होने वाली आय को भी अलग से दर्ज किए जाने का प्रावधान होगा।

वित्त मंत्रालय के तहत केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा कि ट्रस्ट एवं गैर-लाभकारी संगठनों को छोड़कर बाकी सभी करदाता इस प्रस्तावित नए आईटीआर फॉर्म के जरिये अपने रिटर्न जमा कर सकते हैं। इस नए फॉर्म पर हितधारकों से 15 दिसंबर तक टिप्पणियां आमंत्रित की गई हैं। वर्तमान में छोटे एवं मझोले करदाताओं के लिए आईटीआर फॉर्म 1 (सहज) और आईटीआर फॉर्म 4 (सुगम) के जरिये आयकर रिटर्न जमा किए जाते हैं। सहज फॉर्म का इस्तेमाल 50 लाख रुपये तक की सालाना वेतन आय वाला व्यक्ति कर सकता है जबकि सुगम फॉर्म का इस्तेमाल 50 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवारों एवं फर्मों के लिए निर्धारित है।

आईटीआर-2 फॉर्म का इस्तेमाल आवासीय संपत्ति से आय अर्जित करने वाले लोग कर सकते हैं जबकि आईटीआर-3 फॉर्म कारोबार एवं पेशे से लाभ अर्जित करने वाले लोगों के लिए है। आईटीआर-5 एवं 6 फॉर्म सीमित दायित्व भागीदारी (एलएलपी) एवं कारोबारों के लिए निर्दिष्ट हैं जबकि आईटीआर-7 फॉर्म का इस्तेमाल ट्रस्ट कर सकते हैं।

आयकर विभाग के नियामकीय संगठन सीबीडीटी ने कहा कि आईटीआर-1 एवं आईटीआर-4 आगे भी बने रहेंगे लेकिन व्यक्तिगत करदाताओं के पास इस साझा आईटीआर फॉर्म के माध्यम से भी रिटर्न जमा करने का विकल्प होगा।

सीबीडीटी ने कहा, ''आईटीआर-7 फॉर्म को छोड़कर बाकी सभी रिटर्न वाले फॉर्म को मिलाकर एक साझा आईटीआर फॉर्म लाने का प्रस्ताव है। नए आईटीआर का मकसद व्यक्तियों एवं गैर-कारोबारी करदाताओं के लिए रिटर्न जमा करने को सुगम बनाने और इसमें लगने वाले समय को कम करना है।''

सीबीडीटी ने कहा कि सभी हितधारकों से मिले सुझावों के आधार पर तैयार इस साझा आईटीआर को अधिसूचित कर दिया जाएगा और आयकर विभाग इसके ऑनलाइन उपयोग की भी जानकारी देगा।

नांगिया एंडरसन एलएलपी के साझेदार संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि नया फॉर्म आने के बाद आईटीआर-2, 3, 5 एवं 6 फॉर्म के जरिये रिटर्न जमा करने वाले करदाताओं के पास अब पुराने फॉर्म का विकल्प नहीं रह जाएगा।

शार्ट न्यूज

शास्त्री की यंगमैन पर संघर्षपूर्ण जीत

नयी दिल्ली। शास्त्री फुटबाल क्लब ने मंगलवार को यंगमैन एफसी को 2-0 से हराकर फुटबाल दिल्ली सीनियर डिवीजन लीग में पूरे अंक अर्जित किए। विजेता के लिए गोंटो और उज्ज्वल ने गोल किए। मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शास्त्री के गोलकीपर आनंद राजभर को आंका गया। शास्त्री की जीत का अंतर बड़ा हो सकता था लेकिन यंगमैन के गोली मयंक हुडा ने आधा दर्जन अवसरों पर सुंदर बचाव किए। विजेता टीम के मारिइस कोंटो, जीत डे और कप्तान राजीव की कोशिशों को मयंक ने नाकाम किया। सीनियर डिवीजन लीग में बुधवार को खेले जाने वाले मैचों में सीआईएसएफ को अहबाब से जबकि यूनाइटेड भारत को गढ़वाल डायमंड से खेलना है।

टी20 विश्व कप फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड होंगे : मिताली

कोलकाता। भारत की दिग्गज क्रिकेटर एवं पूर्व कप्तान मिताली राज ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के संबंध में पूर्वानुमान लगाते हुए कहा है कि फाइनल में न्यूज़ीलैंड और भारत आमने-सामने होंगे। मिताली एकमात्र भारतीय कप्तान हैं, जिन्होंने दो विश्व कप फाइनल में महिला टीम का नेतृत्व किया है। मिताली ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट लाइव में कहा, सेमीफाइनल स्थान के लिए मेरा पूर्वानुमान है कि ग्रुप-2 से भारत और दक्षिण अफ्रीका आगे जाएंगे। ग्रुप-1 से न्यूजीलैंड के साथ इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक होगा। फाइनल में कोई शक नहीं, भारत और न्यूज़ीलैंड को वहां होना है।

द्रविड़ ने राहुल पर भरोसा जताया

एडिलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने अपने हमनाम सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल की खराब फॉर्म के बावजूद उन पर भरोसा जताया है। द्रविड़ ने बंगलादेश के खिलाफ मुकाबले से पहले मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, इन (कठिन) परिस्थितियों में, शायद हम उन्हें थोड़ा समय दे सकें। हम उनका पूरा समर्थन करते हैं, हमें उनकी कोई चिंता नहीं है। हम जानते हैं कि जब वह अच्छा खेलते हैं तो क्या प्रभाव डाल सकते हैं। मैंने इसे कुछ हफ़्ते पहले ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष-श्रेणी गेंदबाजी के खिलाफ देखा है। मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि हमारे लिए कौन ओपनिंग करने वाला है। टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में राहुल का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने अपनी तीन पारियों में कुल 22 रन बनाये हैं। राहुल ने टूर्नामेंट में आने से पहले पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में तीन अर्द्धशतक जड़े थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वॉर्म-अप मैच में भी 57 रन बनाये थे, लेकिन बड़े मंच पर वह अपने प्रदर्शन को बरकरार नहीं रख सके हैं। कोच द्रविड़ ने कहा, मुझे लगता है कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने अच्छे प्रदर्शन से खुद को साबित किया है। मुझे लगता है कि वह शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। ये चीजें 20-20 ओवर के खेल में हो सकती हैं। सलामी बल्लेबाजों के लिये यह टूर्नामेंट ऐसे भी चुनौतीपूर्ण रहा है।

बाइडेन दम्पति ने मोरबी दुर्घटना पर जताया शोक

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल ने गुजरात के मोरबी जिले में पुल टूटने से हुए हादसे पर दुख जताया है और दुख की इस घड़ी में हम सब भारत के साथ हैं। बाइडेन ने मारबी पुल गिरने से जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में हम सब भारत के साथ हैं। उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी जिल और मैं उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं, जिन्होंने पुल गिरने के दौरान अपने प्रियजनों को खो दिया। बाइडेन ने ट्वीट किया, दुख की इस घड़ी में मैं (बाइडेन) और जिल गुजरात के लोगों के शोक के साथ खड़े मिलेंगे। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं जिन्होंने पुल टूटने के कारण अपने प्रियजनों को खोया है। इस कठिन घड़ी में हम भारतीयों के साथ खड़े रहेंगे और उनका समर्थन करना जारी रखेंगे। उल्लेखनीय है कि गुजरात में मोरबी शहर के बी डिवीजन क्षेत्र में रविवार को झूला पुल टूटने से मच्छू नदी में गिरने से 140 से अधिक लोगों की मौत हो गयी है तथा कई अन्य लोग घायल हो गये थे।

यूक्रेन में रूस को अबतक का सबसे बड़ा झटका

लंदन। यूक्रेन में पिछले 24 घंटे के दौरान रूस के एक हजार से ज्यादा सैनिक मारे गए हैं, जो रूस के लिए अबतक का सबसे बड़ा नुकसान और झटका है। समाचार पत्र 'द सन' ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। यूक्रेन ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटों में रूस के करीब एक हजार सैनिक मारे गए है जो कि रूस के लिए अब तक का सबसे जबरदस्त झटका है। समाचार पत्र के अनुसार युद्धग्रस्त देश यूक्रेन लगातार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना को पीछे धकेल रहा है और ताजा रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन की सेना ने रूस के सैकड़ों सैनिकों का सफाया किया है। यूक्रेन का दावा है कि रविवार को उसने रूस के 950 को मार गिराया है। गौरतलब है कि आठ महीने पहले शुरू हुए हमलों में यह एक दिन में सबसे ज्यादा सैनिकों के मारे जाने की घटना है। इसके साथ ही अभती तक मारे गए रूसी सैनिकों की कुल संख्या 71,200 तक पहुंच गयी है। यूक्रेन ने यह भी दावा किया कि उसने रविवार को रूस के 52 बख्तरबंद वाहनों, 13 टैंकों और एक क्रूज मिसाइल को निस्तेनाबूद किया है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को 44 रूसी क्रूज मिसाइलों को मार गिराने का भी दावा किया है। द सन के अनुसार राष्ट्रपति पुतिन कथित रूप से अपने खराब प्रशिक्षित सैनिकों को मरने के लिए भेज रहे हैं, क्योंकि वह इस क्षेत्र पर हर हालत में कब्जा करना चाहते हैं। यूक्रेनी बलों द्वारा उनके बख्तरबंद टैंकों पर हमला करने के बाद कुछ रूसी सैनिकों को भागते हुए देखा गया।

फिलीपींस में नलगे तूफान से 132 लोगों की मौत

मनीला। फिलीपींस में उष्णकटिबंधीय तूफान नलगे से अभी तक 132 लोगों की मौत हो गई। फिलीपींस सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तूफान नलगे फिलीपींस में आए सबसे विनाशकारी चक्रवातों में से एक है जिसके कारण दक्षिण-पूर्व एशियाई देश के कई हिस्सों को अचानक बाढ़ और भूस्खलन का सामना करना पड़ा। सिविल डिफेंस कार्यालय की जानकारी के अनुसार सोमवार तक तूफान की चपेट में आने से कम से कम 132 लोगों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद ने अभीतक 110 लोगों की मौत का आकलन किया है, जिनमें से 79 लोगों की पहचान हो चुकी है जबकि अन्य 31 की पहचान की जा रही है। एजेंसी ने लापता 33 लोगों में से 23 की पुष्टि की है जबकि अन्य 10 की पहचान की जा रही है। एजेंसी ने कहा कि दक्षिणी फिलीपींस में मुस्लिम मिन्दनाओ में स्वशासित क्षेत्र बंगसामोरो में 57 लोगों की मौत हुई हैं और यहां कम से कम 16 लोग लापता हैं। एजेंसी ने कहा कि उष्णकटिबंधीय तूफान से 24 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, 364 सड़कों और 82 पुलों को नुकसान पहुंचा है और कई इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। फिलीपींस में इस वर्ष आने वाला नलगे तूफान 16वां उष्णकटिबंधीय तूफान है, जिसने शनिवार सुबह बिकोल क्षेत्र के एक द्वीप प्रांत कैटांडुआनेस में दस्तक दी है।

अमेरिका दक्षिण कोरिया के साथ युद्धाभ्यास बंद करे : उत्तर कोरिया

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने कहा कि अमेरिका यदि दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास बंद नहीं करता है, तो उसे माकूल जवाब दिया जायेगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने सोमवार को अपना सबसे बड़ा संयुक्त सैन्य हवाई अभ्यास शुरू किया जो कि शुक्रवार को समाप्त होगा। उत्तर कोरिया ने हाल के हफ्तों में विभिन्न युद्धाभ्यासों के जवाब में कई मिसाइलों का परीक्षण किया है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार उत्तर कोरिया 2017 के बाद से अपने पहले परमाणु हथियार परीक्षण की तैयारी कर रहा है।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड का विजय रथ रोका, सेमीफाइनल की उम्मीदें जिन्दा रखीं

ब्रिस्बेन। इंग्लैंड ने जॉस बटलर (73) और एलेक्स हेल्स (52) के अर्द्धशतकों की मदद से न्यूजीलैंड को टी20 विश्व कप के सुपर-12 मुकाबले में मंगलवार को 20 रन से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिन्दा रखा।

इंग्लैंड ने ग्रुप-1 के मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 179 रन बनाये, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड 159 रन ही बना सकी।

न्यूजीलैंड को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिये ग्लेन फिलिप्स ने अर्द्धशतकीय पारी खेली लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। फिलिप्स ने 36 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों के साथ 62 रन बनाये मगर 18वें ओवर में उनके आउट होते ही कीवी टीम की उम्मीदें समाप्त हो गईं।

इंग्लैंड चार मैचों में पांच अंकों के साथ अपने ग्रुप में दूसरे पायदान पर आ गई है, जबकि इतने ही अंकों वाली ऑस्ट्रेलिया (-0.30) खराब रन रेट के कारण तीसरे स्थान पर है। पांच अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद न्यूजीलैंड (+2.23) के पास यह मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर था, लेकिन अब उसे सुपर-12 के अपने आखिरी मैच में अफगानिस्तान को हर हाल में हराना होगा। कप्तान बटलर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और हेल्स के साथ मिलकर इंग्लैंड को शानदार शुरुआत दिलाई। बटलर-हेल्स ने पहले विकेट के लिये 10 ओवर में 81 रन जोड़कर इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में डाल

दिया। हेल्स ने 40 गेंदों पर सात चौके और एक छक्का लगाकर 52 रन बनाये। उनका विकेट गिरने के बाद बटलर ने भी हाथ खोले और अपना अर्द्धशतक पूरा करते हुए 47 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों के साथ 73 रन की पारी खेली।

इंग्लैंड ने 17 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 148 रन बना लिये थे, लेकिन न्यूजीलैंड ने आखिरी तीन ओवरों में चार विकेट चटकाते हुए रनगति पर लगाम लगाई। लोकी फर्ग्यूसन ने लायम लिविंग्सटन (20) और बेन स्टोक्स (08) को आउट किया, जबकि टिम साउदी ने हैरी ब्रूक को सात रन पर पवेलियन भेजा। सैम करेन ने आखिरी ओवर में छक्का लगाकर अपनी टीम को 179/6 के स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूज़ीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने 28 रन पर दोनों सलामी बल्लेबाजों को गंवा दिया। डेवन कॉनवे (03) और ग्लेन फिलिप्स (16) के आउट होने के बाद विलियमसन और फिलिप्स की जोड़ी ने न्यूजीलैंड को संकट से निकालते हुए तीसरे विकेट के लिये 91 रन की साझेदारी की। विलियमसन ने 40 गेंदों पर इतने ही रन बनाये, लेकिन फिलिप्स ने आक्रामक रुख अपनाते हुए 25 गेंदों में अपना अर्द्धशतक पूरा किया।

स्टोक्स ने 15वें ओवर में इस साझेदारी को तोड़ दिया, जबकि न्यूजीलैंड को पांच ओवरों में 57 रनों की जरूरत थी। मार्क वुड ने अगले ओवर में जेम्स नीशम को आउट करके सिर्फ तीन ही रन दिये, जबकि क्रिस वोक्स ने 17वें ओवर में पांच रन देकर डेरिल मिशेल का विकेट लिया।

फिलिप्स न्यूजीलैंड की आखिरी उम्मीद थे लेकिन करेन ने उन्हें 18वें ओवर में आउट कर मैच इंग्लैंड की झोली में डाल दिया।

इंग्लैंड को सुपर-12 के अपने आखिरी मुकाबले में श्रीलंका का सामना करना है, जबकि न्यूजीलैंड का सामना आयरलैंड से होगा।

श्रीलंका ने अफगानिस्तान को टी20 विश्व कप से बाहर किया

ब्रिस्बेन। श्रीलंका ने वानिंदू हसरंगा (13/3) की शानदार गेंदबाजी और धनन्जय डी सिल्वा (66) के नाबाद अर्द्धशतक की बदौलत अफगानिस्तान को टी20 विश्व कप 2022 के सुपर-12 मुकाबले में मंगलवार को पांच विकेट से मात दी। अफगानिस्तान ने ग्रुप-1 के मैच में श्रीलंका को 145 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे श्रीलंका ने 18.3 ओवर में हासिल कर लिया।

अफगानिस्तान चार मैचों में केवल दो अंकों के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है। श्रीलंका ने चार मैचों में चार अंक हासिल कर लिये हैं, लेकिन वह भी सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये अन्य नतीजों पर निर्भर हैं। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पारी की अच्छी शुरुआत की लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाज उसे भुना नहीं सके। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज़ (28) और उस्मान ग़नी (27) ने पावरप्ले में 42 रन की साझेदारी की। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए इब्राहीम ज़ादरान ने 18 गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाकर 22 रन बनाये, जबकि इन तीनों के अलावा कोई भी अफगान बल्लेबाज महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सका।

बंगलादेश दौरे के लिये टीम में वापस आए जडेजा

मुंबई। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने दिसंबर में बंगलादेश दौरे के लिए भारत की टेस्ट और एकदिवसीय टीम में वापसी की है। बीसीसीआई ने सोमवार को यह जानकारी दी। जडेजा को एशिया कप के दौरान घुटने में चोट आई थी। वह घुटने की सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें टी20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं किया गया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी पीठ की चोट के कारण टी20 विश्व कप से बाहर रहे, हालांकि उन्हें बंगलादेश दौरे के लिये टीम में शामिल नहीं किया गया है। हनुमा विहारी को दो टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है जबकि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट शृंखला से बाहर हुए अजिंक्या रहाणे अब भी टीम में वापस नहीं आए हैं। भारत चार, सात और 10 दिसंबर को मीरपुर में तीन एकदिवसीय मैचों के साथ बांग्लादेश दौरे की शुरुआत करेगा, जिसके बाद चट्टोग्राम (14-18 दिसंबर) और मीरपुर (22-26 दिसंबर) में दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

भारत के खिलाफ करना चाहते हैं उलटफेर

एडिलेड। बंगलादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने कहा है कि वह भारत की तरह विश्व कप जीतने के प्रबल दावेदार नहीं हैं इसलिये रोहित शर्मा की टीम के खिलाफ वह बिना किसी दबाव के खेलेंगे और बड़ा उलटफेर करने का प्रयास करेंगे।

शाकिब ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम अगले दो मैचों (भारत और पाकिस्तान के खिलाफ) में अच्छा खेलना चाहते हैं, इसलिए यदि हम उनमें से एक मैच को जीत जाते हैं, तो यह एक बड़े उलटफेर के रूप में गिना जाएगा। हमें यह उलटफेर करने में खुशी होगी। दोनों टीमें हमसे बेहतर हैं। अगर हम अच्छा खेलते हैं और वह हमारा दिन हुआ तो हम क्यों नहीं जीत सकते? हमने आयरलैंड को इंग्लैंड को हराते हुए देखा है और जिम्बाब्वे ने पाकिस्तान को हराया है। इस विश्व कप में एक ऐसा ही नतीजा हमारी टीम के लिए खुशी की बात होगी।

बंगलादेश के कप्तान ने कहा, भारत खिताब जीतने की प्रबल दावेदार है। वे यहां विश्व कप जीतने के लिए आए हैं। हम दावेदार नहीं हैं, हम यहां विश्व कप जीतने के लिए नहीं आए हैं। हम अच्छी तरह से जानते हैं कि अगर हम भारत के खिलाफ जीतते हैं, इसे बड़ा उलटफेर कहा जाएगा। हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे।

टी20 विश्व कप जैसे बड़े मंच पर शाकिब के शब्दों ने बंगलादेश क्रिकेट टीम के प्रशंसकों का ढांढस नहीं बंधाया होगा, लेकिन यह बात काफी हद तक सच भी है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत ने 10 बार बंगलादेश को हराया है, जबकि बंगलादेश केवल एक बार भारत से जीती है। एडिलेड ओवल में भी जहां भारत ने 29 मैच खेले हैं, वहीं बंगलादेश केवल एक बार इस मैदान का अनुभव ले सकी है।

शाकिब ने कहा, भारत ने इस मैदान में सभी प्रारूपों में बहुत सारे मैच खेले हैं। अपनी टीम से केवल तस्कीन और मैं यहां खेले हैं। ज़ाहिर है कि हमारा अनुभव भारतीय टीम के बराबर नहीं है।

हम टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने के लिए अपना शत-प्रतिशत देंगे। शाकिब ने कहा, भारत ने अपने सभी मैचों में टीमों को 160 से नीचे रोका है। हमें 160-170 प्राप्त करने के लिए वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। हमें भारत की गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा खेलना होगा।

यूक्रेन के खिलाफ अफगान सैनिकों को उतारेगा रूस, दे रहा तरह-तरह के लालच

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुए 9 महीने से ज्यादा का वक्त हो गया है लेकिन रूस अब भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। क्रीमिया ब्रिज हुए हमले के बाद रूस नए सिरे से हमला करना शुरू कर चुका है। यूक्रेन के खिलाफ नई प्लानिंग के तहत रूस अब अमेरिका में ट्रेनिंग कर चुके अफगानिस्तान की स्पेशल फोर्स के सैनिकों को अपनी सेना में शामिल कर रहा है। इसके लिए उन्हें तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए जा रहे हैं। रूस इन सैनिकों को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में भेजेगा। मामले के जानकार मानते हैं कि पिछले कुछ महीनों से युद्ध में यूक्रेन ही नहीं रूसी सैनिक भी बड़े पैमाने पर मारे गए। रूस में नौजवानों को जबरन सेना में भर्ती किया जा रहा है। हाल यह है कि रूसी लोग चुपके-चुपके देश भी छोड़ रहे हैं। तीन पूर्व अफगान जनरलों ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि रूसी सरकार अफगान कमांडो को

अपनी सेना में शामिल करने के लिए कई तरह के प्रलोभन दे रहा है। इसमें बढिया सैलरी और उनकी और परिवार की सुरक्षा भी शामिल है जो तालिबान शासित अफगानिस्तान में फंसे हुए हैं।

लड़ाई नहीं चाहते लेकिन, विकल्प नहीं

तीनों में से एक पूर्व जनरल अब्दुल रावफ अरघंडीवाल ने कहा, वे लड़ाई नहीं करना चाहते हैं - लेकिन उनके पास कोई विकल्प नहीं है। ईरान में दर्जन या अधिक कमांडो छिपे हैं जो तालिबान शासन के बाद अफगानिस्तान छोड़कर भाग गए थे लेकिन अभी भी उनके परिवारवाले अफगानिस्तान में फंसे हैं। अब्दुल कहते हैं, वे मुझसे पूछते हैं, मुझे कोई समाधान दें? क्या करे? अगर हम वापस अफगानिस्तान गए तो तालिबान हमें मार डालेगा।

वैगनर ग्रुप कर रहा भर्ती, दिया जा रहा लालच

अरघंडीवाल ने कहा कि भर्ती का नेतृत्व रूसी भाड़े के बल वैगनर ग्रुप ने किया था। तालिबान के सत्ता संभालने से पहले अंतिम अफगान सेना प्रमुख हिबतुल्लाह अलीजई ने कहा कि इस प्रयास में एक पूर्व अफगान विशेष बल कमांडर द्वारा भी मदद की जा रही थी जो रूस में रहता था और भाषा बोलता था। भर्ती के लिए अफगान सैनिकों को तरह-तरह के लालच दिए जा रहे हैं। जिसमें 1500 डॉलर प्रतिमाह सैलरी और परिवारवालों की सुरक्षा भी शामिल है।

रूस जिन अफगान सैनिकों को अपनी सेना में भर्ती कर रहा है, ये सभी अमेरिकी सेना के साथ प्रशिक्षित हैं। यह उस वक्त की बात है जब अमेरिकी सेना तालिबान के खिलाफ अफगानिस्तान में मौजूद थी। इन्होंने अमेरिकी सैनिकों के साथ तालिबानियों के खिलाफ जंग लड़ी थी लेकिन, हार के बाद इन्हें अफगानिस्तान से भागना पड़ा और ईरान समेत कई जगहों पर छिपना पड़ा।

युद्ध पलटने में माहिर और भयंकर लड़ाके

अफगानिस्तान में सेवा देने वाले एक सेवानिवृत्त सीआईए अधिकारी माइकल मुलरॉय का कहना है कि ये अफगान कमांडो स्पेशली ट्रेंड हैं। ये वे भयंकर लड़ाके हैं जो पलभर में दुश्मनों की सेना में तबाही मचाकर परिणाम को पलट सकने में काबिल हैं।

टाइटैनिक से जुड़े तीन दशक पुराने रहस्य से उठा पर्दा, समंदर में मलबे के पास मिली अनोखी चीज

न्यूयॉर्क। टाइटैनिक को डूबे 100 हो गए हैं। हालांकि उससे जड़े कई रहस्य अब तक सामने नहीं आए हैं। अब एक 26 साल पुराने रहस्य से पर्दा उठा है। गोताखोरों को टाइटैनिक के मलबे के पास ही एक इकोसिस्टम मिला है। पहले सोनार की मदद से इसका पता लगाया गया। लगभग 30 साल पहले एक जानेमाने टाइटनिक गोताखोर पीएच नारजियोलेट को जहाज के मलबे के पास किसी चीज के बारे में पता चला था। हालांकि स्पष्ट नहीं हो पाया था कि यह क्या चीज है।

वह इस बात को जानने की कोशिश करते रहे कि आखिर जो चीज उन्हें मिली है वह जहाज का ही कोई हिस्सा है या फिर कोई प्राकृतिक संरचना है। दो दशकों के अथक परिश्रम के बाद आखिर उन्हें पता चल ही गया कि वह चीज क्या है। 25 अक्टूबर को नारजियोलेट तैरकर वहां तक पहुंच

गए। वहां एक ज्वालामुखी की चट्टान थी।

इस खोज में लगे संगठन ओसियनगेट एक्सपेडिशन्स ने उस इलाके का फुटेज भी जारी किया। वहां पर स्पॉन्ज, कोरल और समुद्री जीव थे। टाइटनिक के मलबे के पास ही पूरा इकोसिस्टम था। यहां बहुत सारे समुद्री जीव रहते हैं और ज्वालामुखी से बनी चट्टान भी लगभग 2900 मीटर की है। नारजियोलेट ने कहा कि उन्हें लगता नहीं था कि कभी इस चीज के बारे में जान पाएंगे। वह यही सोचते थे कि यह भी टाइटैनिक का ही कोई हिस्सा है।

उन्होंने कहा, सोनार से पता लगने का बाद से ही हम उस चीज के बारे में जानना चाहते थे। यह एक बहुत अच्छी खोज है। जहाज तो अब समुद्र की गहराई में है। कनाडा के न्यूफाउंडलैंड से इसकी दूरी करीब 400 नॉटिकल माइल है। 15 अप्रैल 1912 को टाइटैनिक डूबा था।

पुतिन ने किया यूक्रेन के साथ अनाज निर्यात समझौता निलंबित

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन से अनाज निर्यात करने वाले जहाजों को सुरक्षित मार्ग देने वाले समझौते को निलंबित कर दिया है लेकिन इसे समाप्त नहीं किया गया है। यह जानकारी बीबीसी ने मंगलवार को दी। रूस ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता वाले समझौते से खुद को अलग कर लिया और यह आरोप लगाया कि यूक्रेन ने उसके बेड़े पर हमला करने के लिए काला सागर में एक सुरक्षा गलियारे का उपयोग किया। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि उस रात कॉरिडोर में कोई जहाज नहीं था और यूक्रेन ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि समझौते का सम्मान किया जाना चाहिए और उन्होंने रूस पर भूख से दुनिया को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया, जिससे रूस ने इनकार किया।

महिलाओं से निपटने के लिये तालिबान ने शुरू की महिला सुरक्षा इकाई

काबुल। अफगानिस्तान में महिलाओं के विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिये सत्तारूढ़ तालिबान ने महिला कर्मचारियों से लैस एक सार्वजनिक सुरक्षा इकाई की स्थापना की है। आंतरिक मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि 100 अफगान महिलाओं को उनके कर्तव्य पालन के लिये प्रशिक्षित किया जा रहा है हालांकि तालिबान ने उनके कर्तव्य पालन की व्याख्या पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की। समाचार एजेंसी स्पूतनिक को मिले एक वीडियो में एक महिला कार्यकर्ता ने कहा यह महिलाओं के विरोध प्रदर्शन और सार्वजनिक सभाओं को रोकने के लिए तालिबान की रणनीति का एक हिस्सा है। तालिबान महिलाओं के खिलाफ जारी हिंसा की प्रतिक्रिया को रोकने के लिये महिला सुरक्षा इकाई की स्थापना कर रहा है। इससे पहले अक्टूबर में बिना किसी कानूनी आधार के छात्राओं के निष्कासन के खिलाफ महिलाओं ने काबुल विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार के सामने विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने कक्षा छह से ऊपर की लड़कियों के लिए स्कूल फिर से खोलने की भी मांग की थी।

जापान में समलैंगिक जोड़ों के लिए प्रमाणपत्र योजना

टोक्यो। जापान ने समलैंगिक जोड़ों के लिए एक साझेदारी प्रमाणपत्र योजना शुरू कर दी है जिससे उन्हें पहली बार कुछ सार्वजनिक सेवाओं के लिए विवाहित जोड़ों के रूप में माना जा सकता है। कुछ लोगों को उम्मीद है कि यह पूरे जापान में समानता को अपनाने की दिशा में एक कदम हो सकता है। वर्तमान में जापान विकसित देशों के जी-7 समूह में एकमात्र देश है जो समान-लिंग संघों को मान्यता नहीं देता है। एक सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया है कि अधिकांश जापानी लोग समलैंगिक विवाह का समर्थन करते हैं। वर्ष 2021 में जापान के समाजिक प्रसारणकर्ता एनएचके द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार 57 प्रतिशत लोग इसके पक्ष में हैं जबकि 37 प्रतिशत ने इसका विरोध किया है। व्यापक समर्थन के बावजूद जापान में ओसाका की एक जिला अदालत ने इस वर्ष की शुरुआत में फैसला सुनाया था कि समलैंगिक विवाह पर मौजूदा प्रतिबंध संवैधानिक था। इसके बाद अक्टूबर में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के एक स्थानीय प्रतिनिधि नोबोरू वतनबे ने समलैंगिक विवाह को घृणित बताया था। इन टिप्पणियों की बड़े स्तर पर आलोचना की गयी थी। असाही सिनबुन समाचार साइट के अनुसार, टोक्यो महानगरीय क्षेत्र में शुरू की जा रही योजना को पहली बार वर्ष 2015 में इसके एक जिले में स्थापित किया गया था जो महानगरीय क्षेत्र के पश्चिम में नौ और वार्डों और छह शहरों तक पहुंच गयी थी। नयी महानगर व्यापी योजना राजधानी के सभी इलाकों और 1.4 करोड़ लोगों तक पहुंचेगी।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने किया देश की दुर्दशा को रेखांकित

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने संकटग्रस्त श्रीलंका के सत्ता में अपने पदार्पण को 'हिमशैल से टकराने के बाद टाइटैनिक को संभालने' जैसा वर्णित किया। डेली एफटी समाचारपत्र के अनुसार, श्रीलंका टी फैक्ट्री ओनर्स एसोसिएशन की 32वीं वार्षिक आम में इसके अध्यक्ष लियोनेल हेराथ ने संकट की कहानी बताया जिसके जवाब में विक्रमसिंघे ने यह टिप्पणी की। विक्रमसिंघे ने कहा, इस वर्ष हमने जो झेला है, उसे देखते हुए इसे समझा जा सकता है। अब, मेरे लिए यह संकट की कहानी से बाहर निकलने का अवसर है क्योंकि मैंने हिमशैल से टकराने के बाद टाइटैनिक पर नियंत्रण पा लिया है। आप कल्पना कर सकते हैं कि मुझे कहां से शुरू करना है। सब कुछ धरातल पर था। हमने खुद को दिवालिया घोषित किया है, हमारी अर्थव्यवस्था लगभग ठप हो चुकी है। मुद्रास्फीति, दिवालियापन और जो कुछ भी हो रहा है, उसने हमारी अर्थव्यवस्था पिस रही है। हम इसमें सुधार करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता विदेशी मुद्रा का संरक्षण और आयात को सीमित करना है जिससे देश को ईंधन, उर्वरक और दवा प्राप्त हो सके। उन्होंने जोर दिया कि दिवालियापन की स्व-घोषणा करने के बाद, पहला विषय दिवालियापन के ठप्पे को मिटाने के लिए पर्याप्त कदम सुनिश्चित करना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।